■ चैत्र कृष्णा - 4 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 229 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 18-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए पारदर्शिता से जुड़ी कार्य संस्कृति बनाएं अधिकारी : बागडे

6 बलूच रेल अपहरण से पाक सेना व सरकार की साख मिट्टी में मिली

7 जो लोग अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करते हैं, वे दुनिया भर में सफल हो रहे हैं : नायडू

फर्स्ट टेक

मणिपुर के चुराचांदपुर में लगाया गया कर्फ्यू

इंफाल/चुराचांदपुर/भाषा। मणिपुर में चुराचांदपुर में 'हमार' और 'जोमी' समुदायों के बीच झड़प के बाद सोमवार को एहतियात के तौर पर कर्फ्यू लगा दिया गया। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 'हमार' जनजाति के एक नेता पर अज्ञात हमलावरों द्वारा किए गए हमले के एक दिन बाद सोमवार को इलाके में तनाव बढ़ गया और इस जनजाति के लोग हमलावरों की पहचान की मांग कर रहे थे। अधिकारी ने बताया, ''झड़पों के बाद एहतियात के तौर पर चुराचांदपुर में कर्फ्यू लगा दिया गया है।''

'गामिनी' चीता और उसके चार शावक जंगल में छोड़े गये

श्योपुर/भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) में मादा चीता 'गामिनी' और उसके चार शावकों को सोमवार को जंगल में छोड़ा गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गामिनी और उसके चार शावकों को जंगल में छोड़े जाने के बाद केएनपी में खुले में विचरण करने वाले चीतों की संख्या बढ़कर 17 हो गयी है, जबकि नौ चीते बाड़ों में हैं। अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक उत्तम कुमार शर्मा ने एक बयान में बताया कि दक्षिण अफ्रीकी मादा चीता 'गामिनी' और उसके चार शावकों (दो नर और दो मादा, उम्र 12 महीने) को श्योपुर जिले के खजुरी वन क्षेत्र में सफलतापूर्वक छोड़ा गया है और सभी चीते स्वस्थ हैं।

'ट्रुथ सोशल' से जुड़े प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को 'ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप' के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' से जुड़ गए। मोदी 'ट्रुथ सोशल' से ऐसे दिन जुड़े, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लेक्स फ्रीडमैन के साथ उनके (मोदी के) पॉडकास्ट को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर अपने पहले पोस्ट में लिखा, ''ट्रुथ सोशल पर आकर बहुत प्रसन्न हूं। यहां सभी उत्साही लोगों से चर्चा करने और आने वाले समय में सार्थक संवाद में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं।'' प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में फ्रीडमैन के साथ उनकी बातचीत को साझा करने के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया। मोदी ने कहा, ''मेरे मित्र, राष्ट्रपति ट्रंप, आपका धन्यवाद। मैंने कई विषयों को शामिल किया है, जिनमें अपनी जीवन यात्रा, भारत के सभ्यतागत दृष्टिकोण, वैश्विक मुद्दे और बहुत कुछ है।'' रविवार को जारी पॉडकास्ट में मोदी ने ट्रंप के साहस और देशभक्ति की प्रशंसा की।

18-03-2025 सूर्यास्त 6:19 बजे | 19-03-2025 सूर्योदय 6:13 बजे

BSE	NSE
74,169.95	22,509.65
(+341.05)	(+112.45)

सोना	चांदी
8,997 रु.	107,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

होली में इस बार ...

क्या सबके सचमुच में जल गए,
कपट द्वेष सब होली में।
मन के मोहक चित्र बने अब,
भावों की रंगोली में।
भेद भुला कर गले मिलें हम,
प्रीत दिखे हमजोली में।
ध्यान रहे बस दिल ना टूटे,
होली और ठिठोली में।।

हिन्द प्रशांत क्षेत्र में अब न्यूज़ीलैंड भी बनेगा सशक्त साझीदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ दोनों नेताओं के बीच लंबी बैठक के बाद दोनों देशों ने चार घोषणाएं की और संयुक्त वक्तव्य पर सहमति प्रदान करने के साथ छह दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर किए गये।

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत एवं न्यूज़ीलैंड ने रक्षा साझीदारी को सशक्त बनाने के एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर करने के साथ ही न्यूज़ीलैंड के हिन्द प्रशांत महासागरीय पहल में शामिल होने, दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने तथा पेशेवरों एवं कुशल कामगारों के लिए आसान आवाजाही की व्यवस्था बनाने का आज ऐलान किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच यहां हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय शिखर बैठक में ये फैसले लिये गये। श्री लक्सन भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर रविवार को यहां पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच लंबी बैठक के बाद दोनों देशों ने चार घोषणाएं की और संयुक्त वक्तव्य पर सहमति प्रदान करने के साथ छह दस्तावेज़ों पर हस्ताक्षर करके आदान प्रदान किया।

दोनों देशों ने भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) तथा भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच पेशेवरों और कुशल श्रमिकों की गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने वाली व्यवस्था पर बातचीत की शुरूआत के साथ न्यूज़ीलैंड के हिंद प्रशांत महासागरीय पहल (आईपीओआई) तथा में शामिल होने तथा आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) का सदस्य बनने की चार उद्घोषणाएं कीं।

मोदी ने न्यूजीलैंड में खालिस्तान समर्थक तत्वों की गतिविधियों पर चिंता जताई

नई दिल्ली/भाषा। भारत और न्यूजीलैंड ने सोमवार को रक्षा संबंधों को संस्थागत बनाने के लिए एक महत्वाकांक्षी समझौते पर हस्ताक्षर किए और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात के दौरान उनके देश में कुछ खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम दिए जाने पर चिंता से अवगत कराया। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा कि भारत और न्यूजीलैंड एक स्वतंत्र, खुले, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, ''हम विस्तारवाद की नहीं, बल्कि विकास की नीति में विश्वास करते हैं।''

तुलसी गबार्ड ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

आतंकवाद से निपटने एवं सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देश प्रतिबद्ध : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान मोदी ने गबार्ड को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि वह और भारत के 1.4 अरब लोग इस साल के अंत में राष्ट्रपति का भारत में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

मुलाकात के बाद मोदी ने कहा कि दोनों देश आतंकवाद से निपटने तथा समुद्री एवं साइबर सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने पिछले महीने वाशिंगटन की अपनी यात्रा और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अपनी सार्थक चर्चा को याद किया। मोदी ने अमेरिका की यात्रा के दौरान तुलसी गबार्ड के साथ हुई बातचीत को भी याद किया और रक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों, आतंकवाद रोधी उपायों और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में सहयोग को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को शुभकामनाएं दीं और कहा कि वह और भारत के 1.4 अरब लोग इस वर्ष के अंत में उनका भारत में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

बीजापुर में 19 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में 19 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन 19 नक्सलियों में से नौ पर इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बताया कि इनामी नक्सलियों में देवा पदम (30), देवा की पत्नी दुले कलमू (28), सुरेश कटटाम (21), सोनी पूनेम (20), नारायण कटटाम (35), अंदा माडवी (35), बामी कुहरामी (45), शंकर कड़ती (45) और मुन्ना पोड़ियाम (35) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बटालियन नंबर एक के सदस्य देवा पदम और दुले कमलू पर आठ-आठ लाख रुपए का इनाम घोषित है। अधिकारियों ने बताया कि एरिया कमेटी सदस्य सुरेश कटटाम पर पांच लाख रुपए और पार्टी सदस्य सोनी पूनेम पर दो लाख रुपए का इनाम है। उन्होंने बताया कि नक्सली नारायण कटटाम, अंदा माडवी, बामी कुहरामी, शंकर कड़ती और मुन्ना पोड़ियाम पर एक-एक लाख रुपए का इनाम है। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों का संगठन के विचारों से मोहभंग हुआ और वे संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद से परेशान थे।

पवित्र ग्रंथ जलाने की अफवाह के बीच नागपुर में हुआ उपद्रव

उपद्रवियों ने की पुलिस के साथ झड़प, चार घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। औरंगजेब की कब्र को हटाने के लिए एक दक्षिणपंथी संगठन द्वारा किए गए प्रदर्शन के दौरान मुस्लिम समुदाय के पवित्र ग्रंथ को जलाये जाने की अफवाह के बाद मध्य नागपुर में सोमवार को तनाव उत्पन्न हो गया और पुलिस पर पथराव किया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान चार लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने चिटनिस पार्क और महल इलाकों में भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा दोपहर बाद कथित तौर पर कोतवाली और गणेशपेठ तक फैल गई।

अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चिटनिस पार्क से शुक्रवारी तालाओ रोड क्षेत्र हिंसा से सबसे अधिक प्रभावित है, जहां दंगाइयों ने कुछ चार पहिया वाहनों में आग लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि निवासियों के घरों पर भी पथराव किया गया।

पुलिस हजारों की भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश कर रही है।

अधिकारियों ने अनुसार यह उपद्रव दोपहर बाद शुरू हुआ, जब बजरंग दल के सदस्यों ने महल इलाके में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के पास प्रदर्शन किया। पुलिस के अनुसार, अफवाह फैली कि आंदोलन के दौरान कुरान को जलाया गया। पुलिस के अनुसार बजरंग दल के प्रदर्शन के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हुए, जिससे मुस्लिम समुदाय के लोगों में आक्रोश फैल गया।

पुलिस के अनुसार शाम को गणेशपेठ थाने में पवित्र ग्रंथ जलाने का आरोप लगाते हुए एक शिकायत दर्ज कराई गई।

नितिन गडकरी ने की शांति की अपील

नागपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर के कुछ हिस्सों में सोमवार को हुई हिंसा के बीच लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की। केंद्रीय मंत्री ने वीडियो संदेश में कहा, ''नागपुर का इतिहास हमेशा से शांति का रहा है। मैं अपने सभी भाइयों से शांति बनाए रखने की अपील करता हूं। अफवाहों पर विश्वास न करें और सड़कों पर न उतरें।'' गडकरी ने लोगों से कानून-व्यवस्था और सद्भाव की परंपरा को बनाए रखने में प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की।

रेलवे में चौतरफा सुधार के लिए पूरी ताकत और संकल्प से जुटी है सरकार : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि सरकार रेलवे में चौतरफा सुधार में पूरी ताकत और संकल्प से लगी हुई है और आने वाले समय में इसे विश्वस्तर का नेटवर्क बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी।

वैष्णव ने सोमवार को राज्यसभा में रेल मंत्रालय के कामकाज पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि रेलवे के आधुनिकीकरण पर ट्रेनों से लेकर पटरी तक तेजी से काम किया जा रहा है और कोच से लेकर पटरी तक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जा रहा है। रेलवे के एक लाख से अधिक कोचों को चरणबद्ध तरीके से अत्याधुनिक बनाया जा रहा है।

रेलवे की कुल वित्तीय स्थिति ठीक है

उन्होंने कहा कि रेलवे की कुल वित्तीय स्थिति ठीक है और वह कोविड की स्थिति से बाहर निकल गयी है। केंद्रीय बजट में रेल के लिए पर्याप्त आवंटन किया गया है जो ढाई लाख करोड़ रुपए । रेलवे का दो लाख 78 हजार करोड़ का राजस्व है और दो लाख 75 हजार करोड़ रुपए का व्यय है।

भारत का तीसरा नंबर

उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे कार्गो के लिहाज से दुनिया के तीन शीर्ष देशों में शामिल होने जा रहा है। इस मामले में अमेरिका और चीन के बाद भारत का तीसरा नंबर है। पचास हजार किलोमीटर पटरियों को बदला गया है। कुल 12 हजार से अधिक फ्लाइओवर और पुल बनाये गये हैं। वर्ष 2029 तक सभी कोचों को आधुनिक बना दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि देश में एक वर्ष में 1400 लोकोमोटिव बनाये जा रहे हैं और दो लाख वेगन जोड़े गये हैं।

उन्होंने कहा कि यात्रियों को फिलहाल करीब 40 प्रतिशत की सब्सिडी दी जाती है जो करीब 60 हजार करोड़ रुपए के आस पास है। उन्होंने कहा कि आस पास के देशों से तुलना की जाये तो सबसे कम किराया भारत का है। रेलवे में 2020 के बाद से किराया नहीं बढाया गया है। ऊर्जा पर खर्च करीब करीब 30 हजार करोड़ रुपए पर स्थिर है।

वैष्णव ने कहा कि आधुनिकीकरण के तहत 3300 स्टेशनों पर डिजिटल कंट्रोल प्रणाली चालू हो गयी है। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश से आस्ट्रेलिया को मेट्रो के कोच निर्यात शुरू हो गये। रेलवे के महत्वपूर्ण उपकरण बड़े बड़े देशों को किया जा रहा है। लोकोमोटिव और कोच का भी निर्यात किया जा रहा है।

सुचारू तरीके से परीक्षा और भर्ती हो रही है

उन्होंने कहा कि रेलवे में 2024 में भर्ती कलेंडर शुरू किया गया है। सुचारू तरीके से परीक्षा और भर्ती हो रही है और रेलवे में पांच लाख भर्तीयां की जा चुकी हैं और एक लाख की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा को लेकर किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जा रही है और अनेक अत्याधुनिक उपकरण लगाये जा रहे हैं। एक लाख 16 हजार करोड़ रुपए का सुरक्षा पर व्यय किया जा रहा है। लोको पायलट के कमरों में में फुट मसाजर लगाये गये हैं। हर वर्ष दुर्घटनाओं की संख्या 700 से घटकर 70 के आस पास आ गयी है और इसे आगे कम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रेलवे के कुल 12 लाख कर्मचारियों में चालीस प्रतिशत भर्ती पिछले दस वर्षों में की गयी है।

यूक्रेन युद्ध के बारे में आज बात करेंगे पुतिन और ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के प्रयासों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करेंगे।

यह कदम संघर्ष में एक संभावित महत्वपूर्ण बिंदु हो सकता है, तथा ट्रंप के लिए अमेरिकी विदेश नीति का पुनर्निर्धारण करने का एक अवसर हो सकता है। अमेरिकी नेता ट्रंप ने रविवार शाम को 'एयरफोर्स वन' (अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला विमान) में सवार होकर फ्लोरिडा से वाशिंगटन जाते समय पत्रकारों को इस संबंध में जानकारी दी। ट्रंप ने कहा, ''हम देखेंगे कि क्या हमारे पास मंगलवार तक घोषणा करने के लिए कुछ है। मैं राष्ट्रपति पुतिन से मंगलवार को बात करूंगा।'' उन्होंने कहा, ''सप्ताहांत में बहुत काम किया गया है। हम देखना चाहते हैं कि क्या हम इस युद्ध को समाप्त कर सकते हैं।'' क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने दोनों नेताओं के मंगलवार को बात करने की योजना की सोमवार सुबह पुष्टि की।

तुलसी गबार्ड और राजनाथ सिंह ने कई मुद्दों पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड ने सोमवार को कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें विशेष रूप से रक्षा, प्रौद्योगिकी और सूचना साझा करने के क्षेत्रों में भारत एवं अमेरिका के बीच संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, राजनाथ और गबार्ड ने समुद्री क्षेत्र में द्विपक्षीय रणनीतिक सहयोग की भी समीक्षा की।

गबार्ड भारत की ढाई दिन की यात्रा पर रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी आईं। यह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के किसी शीर्ष अधिकारी की भारत की पहली उच्चस्तरीय यात्रा है।

राजनाथ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया प्रमुख से मिलकर ''खुशी'' हुई और उन्होंने भारत-अमेरिका साझेदारी को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

रक्षा मंत्री ने कहा, ''हमने भारत-अमेरिका साझेदारी को और गहरा करने के उद्देश्य से रक्षा और सूचना साझा करने समेत कई मुद्दों पर चर्चा की।''

समझा जाता है कि दोनों पक्षों ने क्षेत्र में चीनी सेना की बढ़ती सैन्य आक्रामकता की पृष्ठभूमि में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उभरती सुरक्षा स्थिति पर भी विचार-विमर्श किया।

बयान में कहा गया, ''राजनाथ सिंह और तुलसी गबार्ड ने भारत और अमेरिका के बीच सैन्य अभ्यास, रणनीतिक सहयोग, रक्षा औद्योगिक आपूर्ति शृंखलाओं के एकीकरण और सूचना-साझा करने में सहयोग, विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र में, समेत विभिन्न क्षेत्रों में की गई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की।''

बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने अत्याधुनिक रक्षा नवाचार और विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में सहयोग के अवसरों की भी तलाश की, जो पारस्परिक रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए उनकी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बयान के मुताबिक, राजनाथ ने ''भारतीय संस्कृति और विरासत के प्रति दृढ़ सद्भावना'' के लिए अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक का ''आभार'' व्यक्त किया।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों से जनता को लूट रही है सरकार : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पेट्रोल एवं डीजल की कीमतें न घटाकर जनता को लूट रही है।

खरगे ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में लगातार गिरावट आ रही है, लेकिन सरकार पेट्रोल और डीजल की कीमतों कम नहीं कर रही है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कच्चे तेल की क़ीमत रही है लगातार लुढ़क, पेट्रोल-डीज़ल की क़ीमतों को न घटा मोदी सरकार जनता को लूट रही बेधड़क। लंबे-लंबे एकतरफ़ा पॉडकास्ट कर मोदी जी जनता को केवल मन की बात सुनाते हैं तेल के खेल में उलझा कर महंगाई के आंसू रुलाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''मई 2014 से अब तक 34 प्रतिशत गिरा कच्चा तेल, 10 साल में 36 लाख़ करोड़ रुपए का कर वसूली खेल।'' खरगे ने सवाल किया, ''कब होगी पेट्रोल-डीज़ल के दामों में कटौती, कब तक बटोरती रहेगी भाजपा जनता से फिरौती?''

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कर्ज के बोझ को स्वीकारा, राज्य ने वेतन भुगतान के लिए आरबीआई से ऋण लिया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा है कि उनकी सरकार कर्ज के बोझ और अन्य कारणों की वजह से नकदी संकट का सामना कर रही है, और भारतीय रिजर्व बैंक से 4,000 करोड़ रुपए का ऋण (छोटी राशि का अनौपचारिक कर्ज यानी हैंड लोन) प्राप्त करने के बाद कर्मचारियों को वेतन देने में सक्षम हुई है। हाल ही में विधान परिषद में उन्होंने सरकारी कर्मचारियों से कठिन नकदी स्थिति को देखते हुए महंगाई भत्ते (डीए) और अन्य के भुगतान के संबंध में सहयोग करने का आग्रह किया, हालांकि वेतन हर महीने की पहली तारीख को दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हर महीने की पहली तारीख को वेतन देना मुश्किल हो जाता है। मैं यहां से अपने सरकारी कर्मचारियों से अपील करता हूं.... कि वे हर महीने की पहली तारीख को वेतन लेकर सरकार की सेवा करें। कभी-कभी, हमें रिजर्व बैंक से ऋण लेना पड़ता है... मैंने 4,000 करोड़ रुपए का 'हैंड लोन' लेकर पहली तारीख को वेतन का भुगतान किया।''

सरकार ने पीएम इंटर्नशिप योजना के लिए मोबाइल ऐप पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन शुरू किया और अधिक से अधिक कंपनियों से इस कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि उन्होंने सांसदों से युवाओं को इस योजना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान युवाओं को 1.25 लाख इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लक्ष्य वाली इस योजना की प्रायोगिक परियोजना तीन अक्टूबर, 2024 को शुरू की गई थी। सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में ऐप शुरू करने के बाद वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री सीतारमण ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों के युवाओं को लाना और उन्हें उद्योग द्वारा आवश्यक कौशल के साथ-साथ नौकरी की उपलब्धता को समझने में मदद करना है।

उन्होंने कहा कि उद्योग की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं के संदर्भ में लोगों की कमी है और इस योजना का उद्देश्य उस अंतर को पाटना है। योजना के बारे में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उद्योग पर कोई दबाव नहीं है और इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं है। सीतारमण ने कहा कि यह योजना राष्ट्रीय हित के लिए है और उन्होंने अधिक से अधिक कंपनियों से इसका हिस्सा बनने का आग्रह किया। मंत्री ने कहा, भारतीय उद्योग को व्यापक हित में भाग लेना चाहिए। आपको खिड़की खोलने की जरूरत है... ताकि लोग इस पर नजर डाल सकें। कॉरपोरेट मामलों के राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि यह योजना युवाओं को जमीनी अनुभव प्रदान करती है और इससे विकसित भारत में योगदान देने में मदद मिलेगी।

विश्व हिंदू परिषद के मिलिंद परांडे का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे सोमवार को भाजपा राजस्थान प्रवासी प्रकोष्ठ कर्नाटक के सहसंयोजक भरतकुमार जैन के बेंगलूरु निवास पर पहुंचे जहां उनका सम्मान किया गया। परांडे ने आनंदा प्लेटिनम अपार्टमेंट्स स्थित विमलनाथ जैन मंदिर में दर्शन किए तथा प्रवासी समाज के सदस्यों के साथ चर्चा की। बैठक के दौरान सनातन धर्म, गौरक्षा एवं समाज के कल्याण से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद हुआ। इस अवसर पर जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष रंजीत सोलंकी, भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रमेश चौधरी, महासचिव नरेंद्र भरिंडवाल, विहिप कर्नाटक के कोषाध्यक्ष दीपक राजगोपाल, महावीर मेहता, अरविंद डोसी , अशोक मेहता सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

सरकार औरंगजेब के कब्र की सुरक्षा के लिए बाध्य है, लेकिन उसके महिमा मंडन की अनुमति नहीं : फडणवीस

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि सरकार औरंगजेब के कब्र की सुरक्षा करने के लिए बाध्य है, लेकिन वह उसकी विरासत का ''महिमा मंडन'' करने के प्रयासों की अनुमति नहीं देगी।

फडणवीस ने यह आश्वासन ऐसे समय में दिया है जब हिंदू संगठन मुगल सम्राट के मकबरे को ध्वस्त करने का आह्वान कर रहे हैं। इन संगठनों का दावा है कि मकबरा ''दर्द और गुलामी का प्रतीक'' है। उन्होंने कहा कि सरकार ने औरंगजेब के मकबरे को संरक्षित स्थल घोषित किया हुआ है, इसलिए वह इसकी सुरक्षा करने के लिए बाध्य है और इसका संरक्षण करना श्रद्धा से ज्यादा ऐतिहासिक रिकॉर्ड का विषय है। मुख्यमंत्री ने ठाणे में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर उन्हें समर्पित एक मंदिर का उद्घाटन करने के बाद कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार को औरंगजेब के अत्याचारों के इतिहास के बावजूद उसकी कब्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी पड़ रही है। हालांकि, मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि यदि उनकी विरासत का 'महिमा मंडन' करने का कोई प्रयास किया गया तो यह सफल नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि केवल छत्रपति शिवाजी महाराज के मंदिर का ही महिमा मंडन किया जा सकता है, औरंगजेब की कब्र का नहीं।

राजमार्ग के लिए अधिग्रहीत जमीन का यदि पांच साल इस्तेमाल नहीं हुआ, तो उसे लौटाया जाएगा

नई दिल्ली/भाषा। राजमार्ग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम में संशोधन करने पर विचार कर रही है। इसके तहत राजमार्ग विकास के लिए अधिग्रहीत भूमि के टुकड़े का पांच साल तक उपयोग नहीं होने की स्थिति में उसे जमीन के मूल मालिक को लौटाया जा सकेगा। अधिकारी ने कहा कि यदि राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम के तहत अधिग्रहीत भूमि का उपयोग नहीं किया गया है, तो मौजूदा कानून के तहत इसे गैर-अधिसूचित करने का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा, ''भूमि को गैर-अधिसूचित करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम में संशोधन अब मंत्रिमंडल और संसद के पास जाएगा।''

अधिकारी ने कहा कि एनएच अधिनियम में बदलाव का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण और सड़क किनारे सुविधाओं के विकास के लिए भूमि अधिग्रहण को तेज करना है। उनके अनुसार, देश में राजमार्ग बुनियादी ढांचे के विकास की वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह प्रावधान जरूरी है।

मंत्री सदन में जो भी आश्वासन देते हैं, उन्हें सरकार गंभीरता से लेती है : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को राज्यसभा को आश्वस्त किया कि सरकार संसद के दोनों सदनों में मंत्रियों द्वारा दिए गए सभी आश्वासनों को गंभीरता से लेती है क्योंकि यह लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रश्नकाल के दौरान उच्च सदन में पूरक प्रश्नों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''हम संसदीय लोकतंत्र के महत्व को समझते हैं। अगर संसद सदस्य सवाल पूछते हैं और सरकार जवाब देती है, तो यह सबसे महत्वपूर्ण है कि आश्वासन पूरा किया जाए। इन आश्वासनों को तीन माह में पूरा करना होता है।'' उन्होंने कहा, ''अगर वे (आश्वासन) पूरे नहीं होते हैं, तो यह संसदीय लोकतंत्र पर एक धब्बा होगा।'' रीजीजू ने कहा कि संसद का नियम है कि सरकार द्वारा दिए गए आश्वासनों को तीन महीने के भीतर पूरा किया जाना चाहिए और विस्तार के लिए भी प्रक्रियाएं हैं। उन्होंने कहा, ''हम संसद में सरकार द्वारा दिए गए सभी आश्वासनों को गंभीरता से लेते हैं। संसद के पटल पर दिए गए आश्वासनों को पूरा करने में कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। यह हमारी जिम्मेदारी है।'' रीजीजू ने कहा कि उन्होंने हाल ही में सरकार के सभी मंत्रियों को पत्र लिखकर आश्वासनों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने को कहा है। उन्होंने कहा कि सांसदों द्वारा लिखे गए पत्रों का जवाब भी एक महीने के भीतर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन आश्वासन निगरानी प्रणाली (ओएएमएस) ने आश्वासनों को पूरा करने में मदद की है।

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री एल मुरुगन ने सदन को बताया कि 99 प्रतिशत आश्वासनों को लागू किया जा चुका है। मुरुगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर नौ अक्टूबर 2018 को ऑनलाइन आश्वसन निगरानी प्रणाली (ओएएमएस) शुरू की गई। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली निगरानी करती है कि कितने आश्वासन दिए गए और कितनों को पूरा किया गया।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत 701 कूड़ा स्थलों का कूड़ा हटाया गयाः सरकार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने राज्यसभा को बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत 2,424 पुराने कूड़ा स्थलों में से 701 का कूड़ा हटाया जा चुका है, जबकि 1,179 कूड़े के टीलों को समतल करने का काम अभी प्रगति पर है। साहू ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन-शहरी की वेबसाइट के अनुसार पुराने कूड़े के नीचे दबी 6,252.60 एकड़ जमीन को समतल कर लिया गया है, जबकि 8,621 एकड़ जमीन को समतल किया जाना बाकी है। एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि पुराने कूड़ा स्थल दशकों से हैं और यह बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य है। पहली बार स्वच्छ भारत मिशन के तहत राष्ट्रीय स्तर पर इन कूड़ा स्थलों को साफ किया गया है।

केनरा बैंक ऑनलाइन डिजिटल बैलेंस कन्फर्मेशन सर्टिफिकेट देने वाला पहला बैंक बना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कार्यकुशलता बढ़ाने और मैनुअल प्रक्रियाओं को हटाने के लिए केनरा बैंक पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड पोर्टल के जरिए ऑनलाइन डिजिटल बैलेंस कन्फर्मेशन सर्टिफिकेट देने वाला पहला बैंक बन गया है।

यह पहल पारंपरिक मैनुअल एप्रोच को डिजिटल सॉल्यूशन के साथ प्रतिस्थापित करके ऑडिटर्स के लिए ऑडिटिंग प्रक्रिया को पूरा करने के लिए समय को काफी कम कर देती है। इससे पहले, ऑडिटर्स को बैलेंस कन्फर्मेशन सर्टिफिकेट पाने के लिए प्राधिकरण पत्रों के साथ व्यक्तिगत रूप से बैंकों से संपर्क करना पड़ता था। इसमें काफी समय लगता था। अब केनरा बैंक की अभिनव डिजिटल सेवा के साथ, ग्राहक से ऑनलाइन सहमति पाने के बाद बैलेंस कन्फर्मेशन की पुष्टि सीधे ऑनलाइन पोर्टल के जरिए ऑडिटर्स के पास पहुंच जाएगी, जिससे मैन्युअल हस्तक्षेप की जरूरत नहीं रहेगी।

बैंक ने बताया कि कॉमन पोर्टल 'डिजिटलबैलेंसकन्फर्मेशन.कॉम' पीएसबी एलायंस प्रा.लि. द्वारा संचालित है, जो ग्राहकों के लिए डिजिटल बैलेंस सर्टिफिकेट बनाने के लिए सुरक्षित और कुशल प्रक्रिया सुनिश्चित करता है। यह डिजिटल बदलाव बेहतर सेवा और परिचालन दक्षता के लिए टेक्नोलॉजी का लाभ लेने की केनरा बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

'इंडिया' का नाम बदलकर 'भारत' करने संबंधी याचिकाः केंद्र को न्यायालय के आदेश पर अमल करने का निर्देश

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र से कहा है कि वह संविधान में संशोधन करने और 'इंडिया' शब्द के स्थान पर 'भारत' या 'हिंदुस्तान' का इस्तेमाल करने के लिए अभ्यावेदन पर विचार करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश का शीघ्रता से अनुपालन करे। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने याचिकाकर्ता को इस संबंध में अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति भी दे दी। बारह मार्च को पारित आदेश में कहा गया, कुछ सुनवाई के बाद, याचिकाकर्ता के वरिष्ठ वकील ने उच्चतम न्यायालय द्वारा तीन जून 2020 को पारित आदेश के अनुसार याचिकाकर्ता के अभ्यावेदन के निस्तारण के लिए संबंधित मंत्रालयों के साथ मामले को आगे बढ़ाने की अनुमति के साथ वर्तमान याचिका वापस लेने का अनुरोध किया है... वर्तमान याचिका वापस ली गई मानकर खारिज की जाती है। इसमें कहा गया कि केंद्र के वकील को उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश के शीघ्र अनुपालन के लिए संबंधित मंत्रालयों को उचित रूप से अवगत कराना चाहिए।

हिमाचल सरकार ने पर्यटन, ग्रामीण विकास, हरित ऊर्जा पर केंद्रित 58,514 करोड़ रुपए का बजट पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 58,514 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। सुक्खू ने अपने तीसरे वार्षिक बजट में पर्यटन, ग्रामीण विकास और हरित ऊर्जा पर खासतौर से ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कम चर्चित पर्यटन स्थलों को लोकप्रिय बनाने के अलावा धार्मिक और पर्यावरण के अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देगी।

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करते हुए सुक्खू ने कहा कि यह साल वित्तीय चुनौतियों से भरा है, क्योंकि राजस्व घाटा अनुदान कम कर दिया गया है और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मुआवजा रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) को 2021-22 में 10,949 करोड़ रुपए से घटाकर 2025-26 में 3,257 रुपए कर दिया गया है। इसी तरह केंद्र के राज्य को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मुआवजा देने के बावजूद हिमाचल प्रदेश को 2023-24 तक 9,478 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है।

हिमाचल के मुख्यमंत्री ने कहा कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और कम चर्चित पर्यटन स्थलों को लोकप्रिय बनाने पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा चाय बागानों को पर्यावरण के अनुकूल गंतव्यों के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य की ऋण देनदारी बढ़कर 1,04,729 करोड़ रुपए हो गई है, जिसमें 29,046 लाख रुपए वर्तमान सरकार ने लिए हैं।

सुक्खू ने कहा कि पिछले दो वर्षों में लिए गए कर्ज का 70 प्रतिशत पिछली सरकार के कर्ज और उसके ब्याज को चुकाने पर खर्च किया गया। ऐसे में विकास गतिविधियों पर सिर्फ 8,693 रुपए खर्च किए गए। उन्होंने गाय के दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य में छह रुपए की बढ़ोतरी कर इसे 45 रुपए से 51 रुपए प्रति लीटर और भैंस के दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 55 रुपए से बढ़ाकर 61 रुपए प्रति लीटर करने की घोषणा की। सुक्खू ने कहा कि 2025-26 में एक लाख किसानों को प्राकृतिक खेती के तहत लाने का लक्ष्य रखा गया है। अबतक लगभग 1.58 लाख किसान प्राकृतिक खेती को अपना चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक रूप से कच्ची हल्दी उगाने वाले किसानों को 90 रुपए प्रति किलोग्राम का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हमीरपुर में मसाला पार्क स्थापित करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून के तहत श्रमिकों की दैनिक मजदूरी 20 रुपए बढ़ाकर 300 रुपए से 320 रुपए प्रतिदिन की गई है।

हिमाचल प्रदेश में नशे की लत से निपटने के लिए मुख्यमंत्री ने विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के गठन की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि 2025-26 में करीब 500 इलेक्ट्रिक बसें खरीदी जाएंगी और अगले वित्त वर्ष में शिमला रोपवे परियोजना शुरू की जाएगी।

अदालत ने गौतम अदाणी, राजेश अदाणी को बाजार विनियमन 'उल्लंघन' के मामले में बरी किया

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और प्रबंध निदेशक राजेश अदाणी को करीब 388 करोड़ रुपए के बाजार विनियमनों के कथित उल्लंघन के मामले से बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि धोखाधड़ी या आपराधिक साजिश का कोई मामला नहीं बनता है।

गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) ने 2012 में अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) और इसके प्रवर्तकों गौतम अदाणी और राजेश अदाणी के खिलाफ मामला शुरू किया था। जांच निकाय ने इन पर आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए आरोपपत्र दाखिल किया था। दोनों उद्योगपतियों ने 2019 में उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की और सत्र न्यायालय के आदेश को रद्द करने की अपील की, जिसमें उन्हें मामले से बरी करने से इनकार कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति आर एन लड्ढा की उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने सोमवार को सत्र न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया और दोनों को मामले से बरी कर दिया।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि दलीलों और सबूतों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने से यह साफ होता है कि इसमें धोखाधड़ी का मामला नहीं बनता है।

10 साल में रेलवे में 5 लाख लोगों को रोजगार दिया गया, विपक्ष भ्रम फैला रहा : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

10 साल में रेलवे में 5 लाख लोगों को रोजगार दिया गया, विपक्ष भ्रम फैला रहा : वैष्णव

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को राज्यसभा में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उसे रेल में भर्तियों को लेकर भ्रामक बयान नहीं देना चाहिए और पिछले 10 साल में रेलवे में पांच लाख लोगों को रोजगार दिया गया है।

वैष्णव ने कहा कि रेलवे और रक्षा ऐसे दो विभाग हैं जिन पर राजनीति नहीं होनी चाहिए क्योंकि ये देश की जरूरत, रीढ़ की हड्डी और जीवनरेखा हैं। उन्होंने कहा कि अगर इनमें राजनीति की गई तो यह देश के लिए अच्छा नहीं होगा।

रेल मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुई चर्चा में भाग लेते हुए वैष्णव ने कहा कि विपक्ष आरोप लगा रहा है कि रेलवे ने भर्तियां नहीं कीं। विपक्ष के इस आरोप को ''सत्य से परे एवं भ्रामक'' बताते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में रेलवे में पांच लाख लोगों को रोजगार दिया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा एक लाख भर्तियों के लिए प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि रेलवे में पूरी पारदर्शिता के साथ भर्ती प्रक्रिया जारी है।

वैष्णव ने कहा कि अभी रेलवे में करीब 12 लाख कर्मचारी हैं जिनमें से करीब 40 प्रतिशत ऐसे हैं जिनकी नियुक्ति पिछले 10 साल में की गयी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार रेलवे की अधिकतर कार्य क्षमता युवा है। महाकुंभ मेले के दौरान नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुयी भगदड़ को दर्दनाक एवं दुखद बताते हुए उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज सहित घटना से संबंधित सभी डेटा सुरक्षित हैं और एक उच्चस्तरीय समिति उसकी जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि इस घटना से सीख लेते हुए रेलवे ने विभिन्न एहतियाती कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कम और मध्य आय वाले वर्ग को सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

विदेश मंत्रालय के बजट में पर्याप्त वृद्धि की जरूरतः संसदीय समिति

नई दिल्ली/भाषा। संसद की एक समिति ने कहा है कि विदेश मंत्रालय को मौजूदा बजट आवंटन भारत की विदेश नीति प्राथमिकताओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर का 'पर्याप्त समर्थन नहीं करता' और इसमें पर्याप्त वृद्धि की जरूरत है ताकि भारत अपने कूटनीतिक और विकास उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा कर सके और विश्व मंच पर अपने बढ़ते प्रभाव को बनाए रख सके।

समिति ने कहा कि बजट अनुमान (बीई) 2025-26 में 20,516.61 करोड़ रुपए के आवंटन में बीई 2024-25 से 7.39 प्रतिशत की कमी और 2024-25 के संशोधित अनुमान (आरई) की तुलना में 18.83 प्रतिशत की कमी आई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर की अध्यक्षता वाली समिति की 'अनुदान मांगों (2025-26) पर विदेश मामलों की समिति (2024-25) की पांचवीं रिपोर्ट' सोमवार को संसद में पेश की गई। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ''वित्त वर्ष 2025-26 के लिए विदेश मंत्रालय के बजटीय आवंटन की विस्तृत जांच करने पर, समिति ने निराशापूर्ण तरीके से पाया कि भारत की बढ़ती वैश्विक छवि और विस्तारित कूटनीतिक एवं विकास जिम्मेदारियों के बावजूद, मंत्रालय का आवंटन भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका की तुलना में अनुपातहीन रूप से कम है।''

प्रधानमंत्री मोदी से प्रशंसा सुनकर आह्लादित है मध्यप्रदेश का 'मिनी ब्राजील' गांव

शहडोल/भाषा। अपने फुटबॉल प्रेम के लिये 'मिनी ब्राजील' के नाम से मशहूर मध्यप्रदेश के विचारपुर गांव के लोग फिर सुर्खियों में आ गए जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन से बातचीत में इस गांव का जिक्र किया। पॉडकास्ट रविवार को प्रसारित किया गया था। मोदी ने 2023 की शुरूआत में मध्यप्रदेश की यात्रा के दौरान शहडोल जिले के विचारपुर गांव के कुछ खिलाड़ियों से मुलाकात की थी। उन्होंने उस वर्ष जुलाई में 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम में भी इसका जिक्र किया था। प्रधानमंत्री ने कोच और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रईस अहमद के बारे में बात की जिनकी ट्रेनिंग और तकनीक के सहयोग से गांव से खिलाड़ी निकल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि कैसे अहमद की कोचिंग से गांव से शीर्ष स्तर के फुटबॉलर निकल रहे हैं जबकि एक समय यह गांव नशे और शराब की लत के लिये बदनाम था।

हरियाणा के बजट में 'लाडो लक्ष्मी योजना' को 5,000 करोड़ रुपए आवंटित, बनेगा भविष्य का विभाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सोमवार को 2.05 लाख करोड़ रुपए का कर-मुक्त बजट पेश किया जिसमें 'लाडो लक्ष्मी योजना' के लिए 5,000 करोड़ रुपए के आवंटन और मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए एक प्राधिकरण बनाने की घोषणा की गई है। सैनी ने राज्य विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि इसमें कोई भी नया कर लगाने का प्रस्ताव नहीं किया गया है।

मुख्यमंत्री ने अपने पहले बजट भाषण में कहा कि हरियाणा को 'भविष्य के लिए सक्षम' बनाने के उद्देश्य से 'भविष्य का विभाग' नाम का एक नया विभाग गठित किया जाएगा। वित्त मंत्रालय का भी कार्यभार संभाल रहे सैनी ने कहा कि बजट में अगले वित्त वर्ष के लिए 2,05,017.29 करोड़ रुपए के परिव्यय का प्रावधान है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमानों से 13.70 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 'लाडो लक्ष्मी योजना' के तहत महिलाओं को 2,100 रुपए मासिक सहायता देने के लिए 5,000 करोड़ रुपए प्रस्तावित किए गए हैं। पिछले साल अक्टूबर में संपन्न हरियाणा विधानसभा चुनावों से पहले सत्तारूढ़ भाजपा ने सत्ता में लौटने पर महिलाओं को हर महीने यह सहायता राशि देने का वादा किया था। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में हरियाणा सरकार ने ई-गवर्नेंस पर बहुत जोर दिया है और उनकी सरकार ने चुनाव घोषणापत्र के 217 वादों में से 19 को पूरा कर दिया है। उन्होंने राज्य में कृत्रिम मेधा (एआई) से संबंधित गतिविधियों के लिए 'हरियाणा एआई मिशन' की स्थापना का प्रस्ताव रखते हुए कहा कि इसके लिए विश्व बैंक ने 474 करोड़ रुपए की सहायता देने का आश्वासन दिया है।

इस एआई मिशन के तहत गुरुग्राम और पंचकूला में केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार निजी निवेशकों को 2,000 करोड़ रुपए का 'कोषों का कोष' बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी। सैनी ने अपने भाषण में युवाओं एवं आने वाली पीढ़ियों को नशे के जाल से बचाने के लिए 'मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं मादक द्रव्य ज्ञान जागरूकता एवं मुक्ति कार्यक्रम प्राधिकरण' की स्थापना का भी प्रस्ताव रखा।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख अन्नामलाई, पार्टी नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में शराब की खुदरा सरकारी दुकानों में कथित अनियमितताओं के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरोध प्रदर्शन से पहले सोमवार को पुलिस ने पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई, महिला शाखा की राष्ट्रीय प्रमुख वनथी श्रीनिवासन और पार्टी के वरिष्ठ नेता एच. राजा समेत कई पार्टी नेताओं को हिरासत में ले लिया। भाजपा ने 1,000 करोड़ रुपये की कथित अनियमितताओं के खिलाफ शहर में 'तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन' (टीएएसएमएसी) मुख्यालय पर धरना देने का ऐलान किया था। हाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस कथित घोटाले के बारे में दावा किया था। भाजपा को सबसे अप्रत्याशित समर्थन मिला जब उसके कटु आलोचक एवं द्रमुक सहयोगी वीसीके ने शराबबंदी के दृष्टिकोण से विरोध का स्वागत किया।

अन्नामलाई ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 'रुपये का चिह्न और बजट का नाटक'' हाल ही में टीएएसएमएसी और अन्य इकाइयों पर ईडी की छापेमारी से ध्यान हटाने का प्रयास है। काली शर्ट पहने अन्नामलाई को पुलिस ने उनके समर्थकों के साथ उनके घर के पास से हिरासत में लिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि पूर्व प्रदेश पार्टी प्रमुख एवं पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को पुलिस ने घर में 'नजरबंद'' कर दिया है।

एच राजा, भाजपा महिला मोर्चा प्रमुख एवं कोयंबटूर दक्षिण से विधायक वनथी श्रीनिवासन, पार्टी विधायकों डॉ. सी. सरस्वती, एम आर गांधी, नैनार नागेंथ्रान और विनोज पी सेल्वम और अमर प्रसाद रेड्डी सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में लिया गया। अन्नामलाई ने कहा कि ''टीएएसएमएसी में 1000 करोड़ रुपये की अनियमितताएं'' हुई हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मामले पर विरोध जारी रखेगी। मुख्यमंत्री स्टालिन पर निशाना साधते हुए अन्नामलाई ने कहा कि उनका 'मानना' है कि द्रमुक नेता किसी बात से 'डर' रहे हैं और इसलिए भाजपा की 'आवाज को दबा' रहे हैं। उन्होंने हाल ही में 'बजट लोगो' के रूप में भारतीय रुपये के चिह्न को तमिल शब्द 'रु' से बदलने के बारे में कहा, मेरा आरोप है कि उनका चिह्न बदलने का यह नाटक, बजट नाटक ईडी छापों से ध्यान हटाने के लिए था। अन्नामलाई ने संवाददाताओं से कहा कि हालांकि ईडी ने टीएएसएमएसी में कथित 1,000 करोड़ रुपये की अनियमितताएं आंकी है, लेकिन उनका अनुमान है कि यह लगभग ''40,000 करोड़ रुपये'' है। उन्होंने कहा, यह 1000 करोड़ रुपये तो बहुत छोटा हिस्सा है...यह विरोध न केवल तमिलनाडु की राजनीति को हिलाकर रख देगा बल्कि बेहतर राजनीति की शुरुआत का मार्ग प्रशस्त करेगा। मेरा अनुमान है कि यह (घोटाला) 40,000 करोड़ रुपये का होगा। लेकिन मैं एक जिम्मेदार पद पर हूं, इसलिए मैं ईडी द्वारा बताए गए 1,000 करोड़ रुपये का हवाला दे रहा हूं। उन्होंने कहा कि जब ईडी अपनी ''अंतिम रिपोर्ट'' दाखिल करेगा, तो स्टालिन भी जांच के दायरे में हो सकते हैं।

अब रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े 'घोटाले' में ईडी द्वारा आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तेलंगाना भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के कविता को निशाना बनाए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसी केवल अनियमितताओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। ईडी ने पहले कहा था कि उसे टीएएसएमएसी के प्रबंधन में कई अनियमितताएं'' मिली हैं, जिसमें निविदा प्रक्रियाओं में ''हेरफेर'' और डिस्टिलरी कंपनियों के माध्यम से 1,000 करोड़ रुपये के ''बेहिसाब'' नकदी लेनदेन शामिल हैं। संघीय एजेंसी ने दावा किया था कि छह मार्च को टीएएसएमएसी के कर्मचारियों, डिस्टिलरी के कॉर्पोरेट कार्यालयों और संयंत्रों पर छापेमारी के बाद उसे इन भ्रष्ट आचरणों का संकेत देने वाले 'सबूत' मिले थे। उसने दावा किया था कि इसमें 'रिश्वत' शामिल थी।

इस बीच, विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) संस्थापक एवं लोकसभा सदस्य टी. थिरुमावलवन ने भाजपा के आंदोलन को अपनी पार्टी का समर्थन दिया। भाजपा के कट्टर आलोचक एवं द्रमुक सहयोगी ने हालांकि कहा कि उनकी पार्टी का रुख यह है कि राज्य में शराब नहीं होनी चाहिए और सभी दुकानें बंद होनी चाहिए, जो शराबबंदी का संकेत है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हो सकता है कि पुलिस की कार्रवाई (भाजपा नेताओं के खिलाफ) कानून और व्यवस्था के दृष्टिकोण से की गई हो। हम विरोध का स्वागत करते हैं...हमारा रुख यह है कि तमिलनाडु में शराब की दुकानें बंद होनी चाहिए और हम इसका समर्थन करने वाले किसी भी व्यक्ति का स्वागत करेंगे।

उन्होंने हालांकि यह सवाल किया कि क्या भाजपा शासित राज्यों ने शराबबंदी लागू की है। इस बीच, पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) अध्यक्ष डॉ. अंबुमणि रामदास ने पुलिस कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में सवाल किया कि विरोध प्रदर्शन करने से पहले ही भाजपा नेताओं को क्यों हिरासत में लिया गया। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि यदि द्रमुक के लोग भ्रष्टाचार में संलिप्त नहीं हैं तो वह टीएएसएमएसी में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच का आदेश दे।

समुद्री नवीकरणीय ऊर्जा में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। नीति आयोग के सदस्य और प्रतिष्ठित मिसाइल वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार सारस्वत ने 17 मार्च को चेन्नई में राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान में दो दिवसीय 'समुद्री नवीकरणीय ऊर्जा में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएसएएमआरई 2025)' का उद्घाटन किया। भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा आयोजित यह अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी दो दिवसीय है। इसमें भारत और दुनिया भर के छात्र, शोधकर्ता, नीति निर्माता, वैज्ञानिक और उद्योग विशेषज्ञ भाग लेंगे।

वी.के. सारस्वत ने अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप प्रशासन के अधिकारियों को समुद्री जल से चलने वाली लालटेन (प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से निर्मित) तथा कामराजर बंदरगाह के अधिकारियों को समुद्र में जहाजों को मार्गदर्शन करने के लिए एक नेविगेशन बोया भेंट किया। रोशिनी नामक यह समुद्री जल से चलने वाली लालटेन, चेन्नई के राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान की वैज्ञानिक डॉ. पूर्णिमा जलिहाल का आविष्कार है।

अपने उद्घाटन भाषण में नीति आयोग के सदस्य वी.के. सारस्वत ने कहा कि भारत की तटरेखा 7,500 किलोमीटर से अधिक लंबी है और 2.02 मिलियन वर्ग किलोमीटर में फैले विशेष आर्थिक क्षेत्र हैं, जो देश की नीली अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारत अपतटीय पवन फार्मों के माध्यम से बिजली पैदा कर रहा है और भविष्य में फ्लोटिंग सौर ऊर्जा उत्पादन और तरंग ऊर्जा उत्पादन पर्यावरण के अनुकूल होगा और इसमें बहुत कम कार्बन उत्सर्जन होगा, जिससे इस क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2023-2032 की अवधि में यह क्षेत्र 22.87 बढ़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में 12.4 गीगावाट तरंग ऊर्जा सहित 54 गीगावाट समुद्री बिजली पैदा करने की क्षमता है। उन्होंने कार्यक्रम में संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन भी किया। उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ. बालाजी रामकृष्णन, ऊर्जा एवं मीठे जल विभाग की प्रमुख डॉ. पूर्णिमा जलिहाल, छात्र, शोधकर्ता और अन्य लोग उपस्थित थे।

राज्यपाल ने एनएसएस राज्य पुरस्कार प्रदान किया

राज्यपाल का विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ-साथ एनएसएस से जुड़ने और समाज में योगदान देने का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने आज राजभवन में आयोजित राज्य एनएसएस प्रकोष्ठ, युवा अधिकारिता एवं खेल विभाग द्वारा आयोजित राज्य पुरस्कार वितरण समारोह में वर्ष 2022-23 के लिए एनएसएस राज्य पुरस्कार प्रदान किए। अपने संबोधन में माननीय राज्यपाल ने विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एनएसएस को एक जन आंदोलन बनाने के महत्व पर बल दिया और छात्रों से सकारात्मक सोच विकसित करने, सामाजिक कल्याण के लिए काम करने तथा सामाजिक सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आग्रह किया।

स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए राज्यपाल ने कहा, युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की प्रगति की नींव होती है। आत्मनिर्भरता, साहस और आत्मविश्वास के उनके दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, एनएसएस स्वयंसेवक स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, वृक्षारोपण, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राहत और पुनर्वास प्रयास, साक्षरता अभियान, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

राज्यपाल ने मेक इन इंडिया अभियान सहित प्रमुख राष्ट्रीय पहलों में एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है; डिजिटल इंडिया योजना, जिसका उद्देश्य भारत को डिजिटल रूप से सशक्त अर्थव्यवस्था में बदलना है; और स्वच्छ भारत मिशन, स्वच्छ और हरित भारत बनाने पर केंद्रित है। उन्होंने कर्नाटक में पांच लाख से अधिक एनएसएस स्वयंसेवकों की उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की और पुरस्कार विजेताओं को उनके समर्पण और सेवा के लिए बधाई दी। एनएसएस की विरासत पर विचार करते हुए राज्यपाल ने कहा कि 1969 में 40,000 स्वयंसेवकों के साथ अपनी स्थापना के बाद से यह विश्व स्तर पर सबसे बड़े युवा स्वयंसेवी संगठनों में से एक बन गया है। यह कार्यक्रम सामुदायिक सेवा के माध्यम से युवाओं के चरित्र और व्यक्तित्व को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने एनएसएस के आदर्श वाक्य मैं नहीं, बल्कि आप को दोहराया, जो दूसरों के प्रति निस्वार्थ सेवा और सहानुभूति की भावना को रेखांकित करता है। स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए राज्यपाल ने कहा, उठो, सतर्क रहो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।

दपरे की ट्रेन सेवाओं में बदलाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यशवंतपुर यार्ड में चल रहे कार्यों के कारण, कई ट्रेन सेवाओं में बदलाव किए गए हैं। चल रहे कार्यों के चलते कई साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द रहेंगी।

4 अप्रैल को ट्रेन नंबर 12291 यशवंतपुर-डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 16573 यशवंतपुर-पुडुचेरी एक्सप्रेस को रद्द किया गया है। 5 अप्रैल को चलने वाली ट्रेन नंबर 12292 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-यशवंतपुर एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 16574 पुडुचेरी-यशवंतपुर एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर 16577 यशवंतपुर-बीदर एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया है। 6 अप्रैल को चलने वाली ट्रेन नंबर 16578 बीदर-यशवंतपुर एक्सप्रेस को रद्द कर दिया गया है। ट्रेन नंबर 16541 यशवंतपुर-पंढरपुर एक्सप्रेस 3 अप्रैल और 10 अप्रैल को व ट्रेन नंबर 16542 पंढरपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस 4 अप्रैल और 11 अप्रैल को रद्द कर दिया गया है। वहीं 1 से 10 अप्रैल, 2025 तक, ट्रेन संख्या 16511/16512 केएसआर बेंगलूरु-कन्नूर-केएसआर बेंगलूरु एक्सप्रेस केएसआर बेंगलूरु के बजाय एसएमवीटी बेंगलूरु से शुरू और समाप्त होगी। ट्रेन संख्या 16511 केएसआर बेंगलूरु-कन्नूर एक्सप्रेस केएसआर बेंगलूरु के बजाय एसएमवीटी बेंगलूरु से रात 8:00 बजे शुरू होगी और इसे एसएमवीटी बेंगलूरु, बनासवाड़ी, हेब्बाल और चिकबानावर के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा।

ट्रेन संख्या 16512 कन्नूर-केएसआर बेंगलूरु एक्सप्रेस को चिकबानावर, हेब्बाल, बनासवाड़ी और एसएमवीटी बेंगलूरु के रास्ते डायवर्ट किया जाएगा। इसे केएसआर बेंगलूरु के बजाय एसएमवीटी बेंगलूरु में शॉर्ट-टर्मिनेट किया जाएगा। एसएमवीटी बेंगलूरु में आगमन का समय सुबह 07:45 बजे होगा।

तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष अप्पावु के खिलाफ अन्नाद्रमुक का अविश्वास प्रस्ताव खारिज

चेन्नई। तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने राज्य विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु को उनके पद से हटाने की मांग करते हुए प्रस्ताव पेश किया, लेकिन सत्तारूढ़ द्रमुक व उसके सहयोगियों के विरोध के कारण यह खारिज हो गया। सदन में 63 सदस्यों ने इसका समर्थन किया, जबकि 154 विधायकों ने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। अप्पावु की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष के. पिचंडी ने सदन की कार्यवाही का संचालन किया। विपक्ष के नेता एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने विस में कई घटनाओं का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि अप्पावु ने पक्षपातपूर्ण तरीके से काम किया। मुख्यमंत्री स्टालिन ने प्रस्ताव का विरोध किया। उन्होंने मुख्य विपक्षी दल पर निशाना साधते कहा, ''लोग उनका विश्वास खो चुके नेताओं द्वारा पेश किए जा रहे ऐसे प्रस्ताव पर हंसेंगे।'' हालांकि शुरू में ध्वनि मत से मतदान हुआ, लेकिन बाद में अन्नाद्रमुक ने मत विभाजन की मांग की जिसे मान लिया गया। मतदान के बाद पिचंडी ने घोषणा की कि 63 सदस्य प्रस्ताव के पक्ष में हैं और 154 विधायक इसके खिलाफ है। इसके बाद अविश्वास प्रस्ताव खारिज हो गया।

जंगल से भटककर गांव में आए बाघ को पकड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इडुक्की/भाषा। केरल के इडुक्की जिले के वंडिपेरियार स्थित ग्रानबी एस्टेट इलाके में घूम रहे एक घायल बाघ को सोमवार को घंटों चले अभियान के बाद बेहोशी का इंजेक्शन देकर पकड़ लिया गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

यह बाघ पिछले दिनों जंगल से भटककर गांव में आ गया था। इसने कई पालतू जानवरों को अपना शिकार बनाया था, जिससे स्थानीय लोगों के बीच दहशत का माहौल था। वन विभाग की एक विशेष टीम बाघ को रविवार को ही बेहोशी का इंजेक्शन देने के लिए तैयार थी, लेकिन उसका पता नहीं लगाया जा सका था।

हालांकि, वन अधिकारियों ने कहा था कि बाघ ज्यादा दूर नहीं गया होगा, क्योंकि उसे गंभीर चोटें आई थीं। अधिकारियों ने बाघ की तलाश के लिए खोजी कुत्तों और ड्रोन की भी मदद ली।

टेलीविजन चैनल पर सोमवार को प्रसारित दृश्यों में वन कर्मियों को यहां एक चाय बागान में बाघ को बेहोशी का इंजेक्शन देकर पकड़ते देखा जा सकता है। एक दृश्य में बाघ वन कर्मियों की तरफ कूदता नजर आ रहा है।

क्या हिंदुओं में कोई गरीब लोग नहीं हैं? : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कर्नाटक कांग्रेस सरकार की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं सहित सभी समुदायों में गरीब लोग हैं। उन्होंने सवाल किया कि सरकार हिंदुओं में गरीबों की अनदेखी करते हुए सरकारी परियोजनाओं में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण क्यों दे रही है। सोमवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा का रुख स्पष्ट है। अगर विधानसभा में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण देने वाला विधेयक पेश किया जाता है, तो भाजपा सदन के अंदर और बाहर दोनों जगह उग्र विरोध करेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि वे इसे लागू नहीं होने देंगे।

एक सवाल के जवाब में विजयेंद्र ने माना कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार एक वरिष्ठ नेता हैं और उन्होंने कुवेम्पु के राज्य गान को याद किया, जिसमें सभी समुदायों के बीच सद्भाव की बात कही गई है। हालांकि, उन्होंने कांग्रेस सरकार पर कर्नाटक में शांति को बढ़ावा देने के बजाय कलह के बीज बोने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि भाजपा मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व वाले इस विभाजनकारी एजेंडे का कड़ा विरोध करेगी।

उन्होंने जैनियों को श्रेणी 2बी में शामिल किए जाने पर भी सवाल उठाए और पूछा कि मुसलमानों के अलावा और किसे इसमें शामिल किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस नेताओं की आलोचना करते हुए उन पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। कर्नाटक सरकार ने मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत सरकारी ठेके आरक्षित करने का फैसला किया है, इस फैसले को कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी गई और इसे विधानसभा में पेश किया जाना है। भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि वे इस कदम का कड़ा विरोध करते हैं।

विजयेंद्र ने जोर देकर कहा कि भाजपा मुसलमानों के खिलाफ नहीं है, बल्कि कांग्रेस की वोट बैंक की राजनीति और तुष्टिकरण की नीतियों का विरोध करती है। उन्होंने बताया कि डी.के. शिवकुमार ने हाल ही में भाजपा को विधान परिषद और राज्यसभा में अधिक मुस्लिम नेताओं को नामित करने की चुनौती दी थी। जवाब में उन्होंने याद दिलाया कि यह भाजपा सरकार ही थी जिसने कांग्रेस के विपरीत डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को भारत का राष्ट्रपति बनाया था।

शपथ ग्रहण

सोमवार को बेंगलूरु के पैलेस मैदान में आयोजित राज्य युवा कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में मंजूनाथ के शपथ ग्रहण समारोह में केपीसीसी अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, केपीसीसी महासचिव एम. उदयशंकर, श्रीनिवास समेत अन्य नेता मौजूद थे। डीके शिवकुमार ने शपथ दिलाने के बाद युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत मतभेदों को एक तरफ रखकर कांग्रेस पार्टी की विचारधारा का पालन करते हुए पार्टी का गठन करें। चुनाव में जो लोग जीते हैं और जो हारे हैं, उन्हें एकजुट होकर सभी बूथ स्तरों पर वैचारिक राजनीतिक विरोधियों, भाजपा और जेडीएस पार्टियों के खिलाफ लड़ना चाहिए।

कर्नाटक में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच तकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सरकारी ठेकों में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण के बजटीय प्रावधान को लेकर सोमवार को एक बार फिर तकरार हुई। कांग्रेस ने भाजपा के इस कथन को खारिज कर दिया कि धर्म आधारित आरक्षण संवैधानिक प्रावधानों के विरुद्ध है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने आरक्षण का बचाव करते हुए कहा कि मुस्लिम, ईसाई, सिख और बौद्ध भी इस देश के नागरिक हैं। शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, हमें अल्पसंख्यकों और पिछड़े समुदायों की चिंता है। जब भाजपा कहती है कि वह सभी को साथ लेकर चलना चाहती है, तो उसे ईसाई और मुस्लिमों को मंत्री बनाना चाहिए। तभी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र को समानता के बारे में बोलने का अधिकार है। उन्हें कुवेम्पु द्वारा लिखा गया राज्य गान पढ़ने दें – तब उन्हें समझ में आएगा कि क्या कर्नाटक को एक शांतिपूर्ण उद्यान बनाता है।'' शिवकुमार पर पलटवार करते हुए विजयेंद्र ने कहा कि यह भाजपा सरकार थी, कांग्रेस नहीं, जिसने डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम को भारत का राष्ट्रपति बनाया था। विजयेंद्र ने संवाददाताओं से कहा, हमने नजमा हेपतुल्ला, न्यायमूर्ति अब्दुल नजीर और आरिफ मोहम्मद खान को राज्यपाल बनाया। संगीतकार उस्ताद बिस्मिल्ला खान को भाजपा सरकार ने भारत रत्न से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तुष्टिकरण की राजनीति कोई नयी बात नहीं है। उन्होंने दलितों के प्रति कांग्रेस पार्टी की चिंता पर सवाल उठाते हुए प्रश्न किया कि जब उसके विधायक अखंड श्रीनिवास मूर्ति के घर को मुस्लिम गुंडों ने आग लगा दी थी तब कांग्रेस पार्टी कहां थी। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने दावा किया कि उच्चतम न्यायालय के कई निर्णयों में कहा गया है कि संविधान में धर्म आधारित आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, ''फिर भी, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने टोपी पहनी, टीपू जयंती का आयोजन किया और शादी भाग्य (2013 में शुरू किया गया, यह आर्थिक रूप से पिछड़ी अल्पसंख्यक महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है) की शुरुआत की। उन्होंने मुसलमानों को उनकी मांग से अधिक अनुदान दिया। अब, मुसलमानों को ठेकों में चार प्रतिशत आरक्षण की पेशकश करके, कांग्रेस सरकार ने हिंदुओं पर हमला किया है।''

हर मोर्चे पर 'बैकफुट' पर है राजस्थान सरकार : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने सोमवार को कहा कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार हर मोर्चे पर 'बैकफुट' पर है और अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा पा रही है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'पॉडकास्ट' तो बहुत करते हैं लेकिन कभी प्रेस वार्ता नहीं करते। दौसा में पायलट ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा नेताओं ने राजस्थान में जो बड़े-बड़े दावे किए थे उन सब पर राज्य सरकार विफल रही है। राज्य सरकार के प्रदर्शन संबंधी एक सवाल पर उन्होंने कहा, तथ्यों, आंकड़ों व वास्तविकता के आधार पर राज्य सरकार ने क्या किया है? गोल-मोल भाषण देना, टीका-टिप्पणी करना यह अलग विषय है लेकिन सरकार की जिम्मेदार तरीके से जो जवाबदेही होती है उसे सरकार पूरा नहीं कर पा रही है।

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार में कितना खिंचाव है?.. मंत्री सदन में नहीं आ रहे, इस्तीफा दे रखा है और पता ही नहीं कौन मंत्रिमंडल में है और कौन नहीं है। चाहे वह एसआई की भर्ती हो, चाहे पेपर लीक और 'बैकलॉग' का मुद्दा हो, चाहे कानून-व्यवस्था का मुद्दा हो हर मोर्चे पर सरकार 'बैकफुट' पर है। उन्होंने कहा, और ये आवाज सरकार के अंदर से उठ रही है जो अंतर्कलह है, खिंचाव व तनाव है वह समय-समय पर सामने आता है। प्रधानमंत्री मोदी के हालिया 'पॉडकास्ट' पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी बहुत पॉडकास्ट करते हैं, बहुत रेडियो पर बात करते हैं लेकिन कोई 'प्रेस कॉन्फ्रेंस' नहीं करते हैं। प्रधानमंत्री जी मणिपुर कभी नहीं जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी... चीन हमारी सीमा में घुस गया, लगातार उसका कोई स्पष्टीकरण नहीं कर रहे हैं। अमेरिका हम पर शुल्क लगा रहा है... आप दोस्ती की बात करें अच्छी बात है, लेकिन भारत के आर्थिक हितों की रक्षा आपको करनी पड़ेगी। भारत बहुत बड़ा देश है और हमें अगर अमेरिका से जबरदस्ती दुर्भावना का सामना करना पड़े तो उसका जिम्मेदार तो कोई न कोई होगा।

किसानों से सरसों की खरीद शीघ्र शुरू की जाए : जाट

जयपुर। किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने राज्य सरकार से किसानों से सरसों की खरीद शीघ्र शुरू करने की मांग की है। जाट ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि 15 फरवरी से मंडियों में सरसों न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दामों में बिक रही है। भंडारण की सुविधा एवं क्षमता के अभाव में किसानों को एक क्विंटल पर ही 700 रुपये से अधिक का घाटा उठाना पड़ रहा है। सरकार ने अब तक सरसों खरीद की तारीख भी घोषित नहीं की है। सरकार ने गेहूं की खरीद 10 मार्च से आरंभ कर दी है, जबकि खेतों से गेहूं काटना भी शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से किसानों की ओर से 15 फरवरी से सरसों खरीद के लिए आग्रह किया जा रहा है। इसके लिये छह अप्रैल 2023 को आठ राज्यों के एक सौ एक किसानों ने दिल्ली जंतर-मंतर पर उपवास किया था। इसके अतिरिक्त राज्य और केंद्र के अधिकारियों एवं शासनकर्ताओं से निरंतर अनुनय-विनय किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 18 से 20 मार्च तक तहसील, उपखंड एवं जिला स्तर पर ज्ञापनों के जरिये आंदोलन की चेतावनी देने का निश्चय किया है। ज्ञापनों में सरसों की खरीद की घोषणा के साथ पंजीयन का काम आरंभ करने, सरसों के शुद्ध तेल की उपलब्धता के लिए विदेशों से आयातित पाम पदार्थों पर रोक लगाने, आयात शुल्क 300 प्रतिशत तक करने, मिलावट रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की।

महासतिया में अरविंद सिंह मेवाड़ पंचतत्व में विलीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। सिटी पैलेस सोमवार को एक गहरे सन्नाटे में डूबा था। शंभू निवास के दरवाजे से जब अरविंद सिंह मेवाड़ की अंतिम यात्रा निकली, तो मानो पूरे राजमहल की दीवारों ने भी सिसकियों को महसूस किया। राजपरिवार के इस चिराग के बुझने के साथ ही मेवाड़ की शाही परंपराओं में एक और दुखद अध्याय जुड़ गया। अरविंद सिंह मेवाड़ के अंतिम सफर में शहर के हर खास ओ आम ने शिरकत की। आयड़ स्थित महासतिया (जहां उदयपुर के राज परिवार के सदस्यों का होता है अंतिम संस्कार) में पंचतत्व में विलीन हो गए।

सुबह करीब 11 बजे शंभू पैलेस से जब पार्थिव देह महासतिया की ओर रवाना हुई, तो बड़ी पोल, जगदीश चौक, घंटाघर और बड़ा बाजार की गलियां गमगीन हो गईं। सफेद कपड़ों में लिपटे, आंखों में नमी लिए हर कोई इस क्षण का गवाह था। लक्ष्यराज सिंह, जो अपने पिता की अंतिम यात्रा में हर कदम उनके साथ थे, जैसे ही मुखाग्नि देने पहुंचे, उनकी आंखें छलक पड़ीं। बहनों ने उन्हें गले लगाया, लेकिन उस आलिंगन में कितना सुकून था और कितना दर्द, यह केवल वही महसूस कर सकते थे जिनकी आंखों के सामने एक साया हमेशा के लिए ओझल हो चुका था। नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ भी चाचा के अंतिम संस्कार में पहुंचे। शिव (बाड़मेर) के विधायक रविंद्र सिंह भाटी और वल्लभनगर के पूर्व विधायक रणधीर सिंह भिंडर भी वहां मौजूद थे। हर किसी की आंखों में सम्मान था, लेकिन साथ ही एक ऐसा दर्द भी, जो शब्दों से नहीं बयां किया जा सकता।

चार महीने पहले सिटी पैलेस में पारिवारिक विवाद ने सुर्खियां बटोरी थीं। लेकिन आज, ये वही दीवारें सिर्फ एक ही बात कह रही थींरिश्ते अहम होते हैं, परंपराएं बनी रहती हैं, लेकिन अपनों का बिछड़ना सबसे बड़ा दुख होता है। शहर के कई गणमान्य लोग, पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा, कवि और अभिनेता शैलेश लोढ़ा, ताज ग्रुप के उएज पुनीत चटवाल और उदयपुर एसपी योगेश गोयल भी शोक जताने पहुंचे। लेकिन सबसे भावुक पल तब आया, जब लक्ष्यराज सिंह ने अपनी बहनों को गले लगाकर रोना शुरू किया। यह केवल एक भाई का रोना नहीं था, बल्कि यह उस परिवार की भावनाओं का ज्वार था, जिसने अपने सबसे मजबूत स्तंभ को खो दिया था।

रविवार 16 मार्च को, लंबे समय से बीमार अरविंद सिंह मेवाड़ का निधन हो गया। उनके पिता भगवत सिंह मेवाड़ और माता सुशीला कुमारी मेवाड़ की विरासत को वे अपने अद्वितीय अंदाज में आगे बढ़ा रहे थे। बड़े भाई महेंद्र सिंह मेवाड़ का निधन भी कुछ ही महीने पहले हुआ था, और अब यह शाही परिवार एक और दुःख से घिर गया। राजमहल में अब भी उनकी यादें जिंदा रहेंगी, महल के आंगन में उनकी हंसी गूंजेगी, और उनकी विरासत हमेशा मेवाड़ की पहचान बनी रहेगी। लेकिन आज, सिटी पैलेस की हवाओं में बस एक ही आहट थीविदाई की!

कोई भी नेता कितना भी बड़ा क्यों न हो, पार्टी से ऊपर नहीं है : रंधावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने रविवार को कहा कि कोई भी नेता कितना भी बड़ा क्यों न हो, पार्टी से ऊपर नहीं है। उन्होंने गुजरात में राहुल गांधी के बयान का भी जिक्र किया, जिसमें पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को भविष्य की सफलता के लिए तैयार करने के महत्व पर प्रकाश डाला था। रंधावा ने पार्टी की विस्तारित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में कहा, कोई भी पार्टी से ऊपर नहीं है, चाहे वह कितना भी बड़ा नेता क्यों न हो। इस बैठक में विभिन्न संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा की गई।

उन्होंने कहा कि सभी नेताओं को बैठक में अवश्य शामिल होना चाहिए। रंधावा ने कहा कि उन्होंने सह-प्रभारियों और जिला अध्यक्षों को भी निर्देश दिया है कि वे बैठकों में शामिल न होने वाले नेताओं की रिपोर्ट तैयार करें और उसे कांग्रेस के प्रदेश इकाई कार्यालय को भेजें। कांग्रेस नेता ने उल्लेख किया कि राहुल गांधी ने गुजरात में इस बात पर जोर दिया था कि पार्टी को सक्रिय करने की जरूरत है और इसके लिए जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को तैयार किया जाना चाहिए।

उन्होंने निष्क्रिय पदाधिकारियों को नोटिस जारी करने का आह्वान किया, चाहे उनका पद या पार्टी के भीतर प्रभाव कुछ भी हो। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह

डोटासरा ने कहा कि उनका ध्यान एक मजबूत और स्थायी पार्टी संगठन बनाने पर है। उन्होंने कहा, आज मैं यहां हूं, कल मेरी जगह कोई और होगा और उसके बाद कोई और होगा। डोटासरा ने कहा, महत्वपूर्ण यह नहीं है कि मैंने क्या हासिल किया, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि भविष्य के लिए एक मजबूत संगठन बनाने की जरूरत है। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने इस अवसर पर संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावों की तैयारी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हम एकजुट हैं और मजबूत भविष्य के लिए मिलकर काम करेंगे।

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि काम न करने वाले लोगों को किनारे किया जाना चाहिए और काम करने के इच्छुक लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने जमीनी स्तर पर कार्रवाई की जरूरत पर बल दिया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, हरीश मीणा, नीरज डांगी सहित सांसद, विधायक और पदाधिकारी बैठक में शामिल हुए।

नवजात शिशु की हत्या के आरोप में मां गिरफ्तार

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू के कोतवाली थाना क्षेत्र में 17 दिन की नवजात शिशु की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि वार्ड नम्बर 53 नयाबास में रविवार सुबह एक 17 दिन की नवजात शिशु का शव पानी की टंकी में मिला था। इससे पहले बच्ची की मां निशा ने बच्ची के लापता होने की सूचना परिजनों को दी थी। बाद में उसने परिजनों और पुलिस को गुमराह भी किया, लेकिन कड़ाई से पूछताछ के बाद उसने पूरी सच्चाई बता दी। पुलिस के अनुसार पूछताछ में निशा ने कूबला कि वह दूसरी बेटी होने से नाखुश थी। लिहाजा रविवार को सुबह जब परिवार के सदस्य खेत गये थे, उसने बेटी को पानी के होद में फेंक दिया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने ली अधिकारियों की बैठक, विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर दिए जरूरी दिशा-निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने सोमवार को सामाजिक न्याय, विशेष योग्यजन निदेशालय, बाल अधिकारिता और अनुजा निगम के अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश भर में संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

रांका ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय अम्बेडकर भवन में हुई बैठक में बजट घोषणा वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहा कि अधिकारीगण बजट घोषणाओं को प्राथमिकता पर लेते हुए उन्हें पूर्ण करने में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की तय समयावधि में धरातल पर उतरने से ही आमजन को लाभ मिल सकता है।

रांका ने बैठक में 30 मार्च को राजस्थान दिवस के मौके पर होने वाले कार्यक्रमों के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश जारी किए गए। उन्होंने उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) योजना, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना, नशामुक्त भारत अभियान, स्वयं सिद्धा आश्रम, कामकाजी महिला छात्रावास, वृद्धाश्रम तथा मुख्यमंत्री पुनर्वास गृहों की प्रगति की समीक्षा कर योजनाओं का अधिकाधिक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य वंचित तबके को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है। अधिकारी स्वप्रेरणा और संवेदनशीलता के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन में लग जाएंगे तो जरूरतमंदों को जल्द लाभ मिल सकेगा।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने इस दौरान लंबित विधानसभा प्रश्न, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, आश्वासनों की समीक्षा करते हुए, स्केमैटिक बजट 2024-25 में व्यय की समीक्षा की। साथ ही 11 मार्च को आयोजित कमेटी ऑफ सेक्रेट्रीज मीटिंग के संबंध में दिये गये निर्देशों की प्रगति की भी समीक्षा की। इस दौरान 7 एवं 8 अप्रैल, 2025 को देहरादून में आयोजित होने वाले चिंतन शिविर की तैयारियों के बारे में भी जानकारी लेकर निर्देश दिए।

बैठक में निदेशक एवं विशिष्ट शासन सचिव हरि मोहन मीना, आयुक्त विशेष योग्यजन जगजीत सिंह मोंगा, वित्तीय सलाहकार श्रीमती अंजू सिंह, उप निदेशक श्रीमती दीपाली भगोतिया, अतिरिक्त निदेशक सूंडाराम मीना, अतिरिक्त निदेशक श्रीमती रीना शर्मा, अतिरिक्त निदेशक अशोक जांगिड़, अतिरिक्त निदेशक अरविंद कुमार सैनी सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए पारदर्शिता से जुड़ी कार्य संस्कृति बनाएं अधिकारी : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि प्रशासनिक और लेखा सेवा में राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानते हुए अधिकारी पूर्ण पारदर्शिता की कार्य की संस्कृति का विकास करें। उन्होंने समय के साथ जीवन प्रबंधन को जोड़ते हुए नैतिक मूल्यों के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजकीय सेवा में आने के बाद अधिकारियों को यह चाहिए कि वे जन कल्याण से जुड़े कार्यों और विकास योजनाओं का प्रभावी रूप में क्रियान्वयन करें। बागड़े सोमवार को राजभवन में राजस्थान प्रशासनिक और लेखा सेवा के वर्ष 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। राजभवन में अतिरिक्त मुख्य सचिव और हरिश्चन्द्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान की महानिदेशक श्रीमती श्रेया गुहा की पहल पर इन अधिकारियों की राज्यपाल से मुलाकात हुई। इस दौरान राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों के कार्य और प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि राज्य और देश के विकास में वे भविष्य में सार्थक भूमिका निभाएं। उन्होंने लोकसभा के पहले अध्यक्ष रहे गणेश वासुदेव मावलंकर का उदाहरण देते हुए कहा कि संसदीय परम्पराओं और मर्यादाओं के साथ लोक प्रशासन की देश में उन्होंने नींव रखी। उन्होंने आचार्य चाणक्य और अन्य महापुरुषों का संदर्भ देते हुए कहा कि राजकीय सेवा में ईमानदारी और राजकीय हित को प्रमुखता देते हुए कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जीवन में भोजन के साथ हर स्तर पर व्यवस्थित नियोजन और प्रबंधन यदि आप करते हैं, तभी पदस्थापित पद पर अपने आपको प्रभावी रूप में साबित कर पाएंगे।

राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज ने अधिकारियों से पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ काम करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच जरूरी है। अधिकारी राजकीय हित में अपनी पूर्ण क्षमता के साथ काम करें। आरंभ में हरिश्चन्द्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान की अतिरिक्त महानिदेशक श्रीमती शैली कृष्णा ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा और लेखा सेवा के प्रशिक्षु 107 अधिकारियों के प्रशिक्षण और ओटीएस की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

गजेंद्र सिंह शेखावत से दीया कुमारी की मुलाकात, राजस्थान पर्यटन स्थलों के संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े बिंदुओं पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ उनके नई दिल्ली स्थित कार्यालय में सोमवार को उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने भेंट कर राजस्थान पर्यटन विकास, पर्यटन स्थलों के संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े कई बिंदुओं पर चर्चा की, जिनको केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने पूरी सकारात्मकता से सुना और चर्चा के बिंदुओं को अमली जामा पहनाने का आश्वासन भी देने के साथ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ हुई मीटिंग के बिंदुओं को समाहित करते हुए, राजस्थान में पर्यटन के विकास, नए

आयाम तलाशने, सीमावर्ती इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा देने, ट्राइबल टूरिज्म और रूरल टूरिज्म को लेकर चर्चा की। साथ ही राजस्थान में माइस सेंटर्स के विकास को लेकर भी बातचीत हुई। उपमुख्यमंत्री ने प्रदेश के पर्यटन को बढ़ाने के साथ ही शेखावाटी इलाके में हवेलियों के संरक्षण एवं पर्यटन की अपार संभावनाओं पर भी चर्चा की। राजस्थान में पर्यटन की विभिन्न मांगों को लेकर उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री को पत्र भी सौंपा।

टीकाराम जूली के 'बैंड बजाने' वाले बयान पर राजस्थान के मंत्री जोगाराम का पलटवार, बोले- 'परिणाम सामने है'

जयपुर /दक्षिण भारत। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष टीकाराम जूली के बयान पर प्रहार किया। जूली के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पटेल ने कहा कि कुछ लोग बड़े-बड़े दावे करते हैं, जैसे बैंड बजा देंगे या ईंट से ईंट बजा देंगे, लेकिन हकीकत सबके सामने है कि किसकी ईंट से ईंट बजी। रविवार (16 मार्च) को जयपुर में कांग्रेस कार्यकारिणी की मीटिंग पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा था यह बैठक भाजपा की बैंड बजाने के लिए बुलाई गई है।

उनके इसी बयान पर जोगाराम पटेल ने उपचुनाव और नगर निकाय चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और राजस्थान में हुए चुनावों में कांग्रेस की हार हुई। ऐसे में बैंड किसकी बजी, गमछा किसका हिला, यह सबको पता है। पटेल ने कहा कि राजनीति में शब्दों का इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी आपसी कुर्सी की लड़ाई ने उन्हें कमजोर कर दिया। कांग्रेस अब कमजोर हो चुकी है। कांग्रेस की विश्वसनीयता संकट में आ चुकी है। पटेल ने कहा कि उनका मकसद केवल जनता और राजस्थान का विकास करना है, न कि ऐसी बयानबाजी में उलझना। हम राजस्थान की जनता के हितों के लिए काम करेंगे। हम इस बात को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते कि कोई राजस्थान की जनता के हितों के साथ समझौता करे। प्रदेश की जनता का विकास करना ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने आगे कहा, हमारा लक्ष्य राजस्थान को समृद्ध और विकसित बनाना है। सबको मिलकर इस पर ध्यान देना चाहिए। पटेल ने कहा कि सफाया कर देंगे जैसे दावे करने वाले आज खुद हिंदुस्तान और राजस्थान से साफ हो गए हैं। जनता ने ऐसे लोगों को खारिज कर दिया है। ऐसे लोगों का अस्तित्व अब संकट में आ चुका है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच शैक्षिक सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच घनिष्ठ एवं मैत्रीपूर्ण संबंधों का हवाला देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि दोनों देशों के बीच शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन का स्वागत करते हुए उन्होंने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक संबंधों के विकास पर संतोष व्यक्त किया, जिसमें सीमा शुल्क, बागवानी, वानिकी, आपदा प्रबंधन और पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र शामिल हैं। लक्सन और उनके प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं जो लोकतंत्र, कानून के शासन और दोनों देशों की जनता के स्तर पर मजबूत संबंधों में निहित साझा मूल्यों पर आधारित हैं। मुर्मू ने संस्थागत आदान-प्रदान, भारत में न्यूजीलैंड के विश्वविद्यालयों द्वारा परिसरों की स्थापना और दोहरी डिग्री के माध्यम से दोनों देशों के बीच शैक्षिक सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। राष्ट्रपति ने न्यूजीलैंड की प्रगति में प्रतिभाशाली और मेहनती भारतीय समुदाय के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। राष्ट्रपति मुर्मू ने पिछले वर्ष अगस्त में न्यूजीलैंड की अपनी राजकीय यात्रा की यादें ताजा कीं और कहा कि न्यूजीलैंड के लोगों की सांस्कृतिक विविधता ने उनके मन पर अमिट छाप छोड़ी है। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि अगस्त 2024 में राष्ट्रपति की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा और लक्सन की यात्रा के दौरान सोमवार को घोषित महत्वपूर्ण परिणाम भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी को सकारात्मक गति प्रदान करेंगे।

मणिपुर को दो समुदायों में बांटने का काम कांग्रेस ने किया : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को राज्यसभा में आरोप लगाया कि करीब चार दशक पहले कांग्रेस ने ही मणिपुर में दो समुदायों के बीच विवाद पैदा किया था। भाजपा सदस्य अरुण सिंह ने कहा कि 1993 में जब मणिपुर में दंगे हुए थे तब न तो तत्कालीन प्रधानमंत्री और ना ही गृह मंत्री ने वहां का दौरा किया था जबकि इस बार वहां जातीय हिंसा के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन दिन वहां बिताए।

राज्यसभा में सोमवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मणिपुर के बजट और अनुदानों की अनुपूरक मांगों पर चर्चा हुयी। चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने हिंसाग्रस्त मणिपुर का अब तक दौरा नहीं करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा था कि रूस-यूक्रेन युद्ध की चिंता छोड़ उन्हें पूर्वोत्तर के राज्य में शांति स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। विपक्षी आरोपों का जवाब देते हुए भाजपा के अरुण सिंह ने पूछा कि मणिपुर में दो समुदायों में झगड़ा लगाने का काम और उन्हें आपस में बांटने का काम किसने किया? उन्होंने कहा, ''यह तो कांग्रेस की सरकार ने ही किया। साल 1993 में जब मणिपुर में दंगे हुए तब 450 मौतें हुई और 305 गांव तबाह हो गए। तब कांग्रेस की सरकार थी। कांग्रेस के प्रधानमंत्री को तो छोड़िए, कांग्रेस सरकार के तत्कालीन गृह मंत्री तक मणिपुर नहीं गए।'' उन्होंने कहा कि यह भाजपा की सरकार है जब केंद्रीय गृह मंत्री तीन-तीन दिन मणिपुर में रहे और गृह राज्यमंत्री तीन महीने वहां रहे। सिंह ने कहा कि जब मणिपुर 1993 में जल रहा था तब इस पर गृह राज्यमंत्री ने संसद के अंदर जवाब दिया ना कि तत्कालीन गृह मंत्री ने।

उच्चतम न्यायालय ने भारत में खेल संघों को 'बीमार संस्थायें' कहा

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि भारत में खेल संघ 'बीमार संस्थायें' हैं। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने महाराष्ट्र कुश्ती संघ द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। इस याचिका में बंबई उच्च न्यायालय के आठ अक्टूबर, 2024 के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा महाराष्ट्र कुश्ती संघ की मान्यता समाप्त करने के खिलाफ याचिका को खारिज कर दिया गया था। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च के लिए निर्धारित करते हुए कहा, 'इन सभी खेल संघों में खेल जैसा कुछ नहीं है। ये सभी बीमार संस्थायें हैं।' उच्चतम न्यायालय ने 15 जनवरी को केंद्र और डब्ल्यूएफआई को नोटिस जारी कर महाराष्ट्र कुश्ती संघ द्वारा दायर याचिका पर जवाब मांगा था।

उप्र में एक जिला, एक माफिया का युग समाप्त, अब 'एक जिला, एक उत्पाद' का युग : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहारनपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) की पूर्ववर्ती सरकार पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि उसकी कथित 'एक जिला, एक माफिया' नीति के कारण राज्य में अराजकता को बढ़ावा मिला, जिसे अब भाजपा की मौजूदा सरकार ने 'एक जिला, एक उत्पाद' (ओडीओपी) पहल से बदल दिया है।

मुख्यमंत्री ने सहारनपुर में युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस कार्यक्रम में 365 उद्यमियों को ऋण वितरित किए गए। योगी आदित्यनाथ ने कहा, पूर्ववर्ती सरकार में पहले हर जिले में एक माफिया होता था। हमने इसे 'एक जिला, एक उत्पाद' से बदल दिया है ताकि कारीगरों और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिले और रोजगार पैदा हो। पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा के प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना आदित्यनाथ ने कहा, अगर किसी राज्य का नेता दोपहर में उठता है, दो बजे तक तैयार हो जाता है और फिर अपने दोस्तों के साथ पिकनिक पर चला जाता है तो वह कब काम करेगा? जनता परेशान रही, जबकि उसके साथी राज्य को लूटते रहे।''

आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार में संपर्क सुविधा बढ़ाने पर ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर से दिल्ली तक की यात्रा का समय घटाकर सिर्फ एक घंटा 45 मिनट करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने 'ओडीओपी' योजना के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि सहारनपुर का प्रसिद्ध लकड़ी की नक्काशी उद्योग अब दुनियाभर में 1,000 करोड़ रुपए का सामान निर्यात करता है। कारीगरों की उपेक्षा के लिए पूर्ववर्ती सरकारों की आलोचना करते हुए योगी ने कहा, ये कारीगर पहले से ही राज्य में थे, लेकिन पुरानी सरकारें उन्हें वोट बैंक बनाने में व्यस्त थीं। उन्होंने कारीगरों को बेहतर डिजाइन, तकनीक, पैकेजिंग या निर्यात सुविधाएं प्रदान करने की कभी परवाह नहीं की। योगी ने रोजगार सृजन में मौजूदा सरकार के प्रयासों का भी उल्लेख किया और बताया कि होली के दौरान, राज्य सरकार ने पुलिस बल में 60,244 युवाओं के चयनित होने की घोषणा की, जिनमें सहारनपुर के युवा भी शामिल हैं।

बहुजन समाज से जो भी पार्टी हित में काम करेगा, उसे आगे बढ़ाया जाएगा : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को कहा कि भाई-बहन और रिश्ते-नाते उनके लिए महज बहुजन समाज के लोगों के बराबर ही हैं।

मायावती ने कहा कि इसके अलावा बहुजन समाज से जो भी पार्टी हित में काम करेगा, उसे पार्टी में आगे बढ़ाया जाएगा और इस पर उनके रिश्ते-नाते आड़े नहीं आएंगे। बसपा सुप्रीमो ने राजधानी में सोमवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस दौरान उन्होंने सामाजिक परिवर्तन और जातिवादी मानसिकता से हटकर बहुजन समाज को सम्मान दिलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि होली सहित अन्य विभिन्न त्योहारों के बीच इस बार कांशीराम जी की जयंती जिस अति उत्साह और जोश के साथ मनाकर उनके अनुयायियों ने अपनी पार्टी को हर स्तर पर मजबूत बनाने का जो संकल्प लिया है, उसने पार्टी को मजबूती देने के लिए उनकी हिम्मत और हौसले को कई गुना बढ़ा दिया है।

मायावती ने कहा, '' मैं हमेशा की तरह, आगे भी अपने जीते-जी अपने व्यक्तिगत तथा भाई-बहिन व अन्य रिश्ते-नातों आदि के स्वार्थ में कभी भी खुद को कमजोर नहीं पड़ने दूंगी।'' उन्होंने कहा, ''वैसे भी मेरे भाई-बहिन व अन्य रिश्ते-नाते आदि मेरे लिए केवल बहुजन समाज का ही एक अंग है, उसके सिवाय कुछ भी नहीं है। इसके अलावा पार्टी व बहुजन आंदोलन के हित में बहुजन समाज के जो भी लोग ईमानदारी व निष्ठा से कार्य करते हैं, तो उन्हें पार्टी में जरूर आगे बढ़ने का मौका दिया जायेगा और इस मामले में मेरे रिश्ते-नाते आड़े नहीं आयेंगे।''

रूस-यूक्रेन युद्ध की चिंता छोड़ मणिपुर में शांति बहाली पर ध्यान दें प्रधानमंत्री : विपक्ष

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों ने हिंसाग्रस्त मणिपुर का अब तक दौरा न करने के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कड़ी आलोचना की और कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध की चिंता छोड़ उन्हें पूर्वोत्तर के राज्य में शांति स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। राज्यसभा में सोमवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मणिपुर बजट और अनुदानों की अनुपूरक मांगों पर चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों ने यह दावा भी किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री मोदी को आलोचनाओं से बचाने के लिए केंद्र को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ा।

वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने उच्च सदन में मणिपुर बजट और अनुदानों की अनुपूरक मांगों को चर्चा के लिए प्रस्तुत किया। चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी वहां जाकर मणिपुर के लोगों के दुख में हिस्सा लेते और उनके दर्द को महसूस करते तो इसका देशभर में सकारात्मक संदेश जाता। उन्होंने कहा कि मणिपर का मुद्दा ऐसा था, जिस पर दलगत राजनीति से ऊपर उठते हुए संसद में चर्चा किए जाने और एक स्वर में संदेश देने की जरूरत थी कि पूर्वोत्तर के इस राज्य का दर्द पूरे देश का दर्द है और पूरा देश उसके साथ खड़ा है। गोहिल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी गुजरात से आते हैं और महात्मा गांधी भी गुजरात से ही थे।

एआईएमपीएलबी का वक्फ विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन, ओवैसी ने तेदेपा, जद(यू), लोजपा (रामविलास) को चेताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ धरने का नेतृत्व किया, जिसमें ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी सहित कई सांसदों ने हिस्सा लिया।

ओवैसी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा), जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) और लोक जनशक्ति पार्टी-रामविलास (लोजपा-रामविलास) को आगाह किया कि अगर उन्होंने इस विधेयक का समर्थन किया, तो मुसलमान उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। एआईएमपीएलबी के तत्वावधान में कई मुस्लिम संगठनों ने जंतर-मंतर पर वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ प्रदर्शन किया।

धरना स्थल पर पहुंचे ओवैसी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार देश में शांति भंग करने के इरादे से वक्फ विधेयक लेकर आई है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री की मंशा है कि लोग मंदिर-मस्जिद को लेकर लड़ते रहें। वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा करना इस विधेयक का मकसद नहीं है। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा, यह विधेयक मुसलमानों की मस्जिदों, दरगाहों और कब्रिस्तानों को छीनने का प्रयास करता है। हम (तेदेपा प्रमुख) चंद्रबाबू नायडू, (लोजपा-रामविलास प्रमुख चिराग) पासवान साहब और (जदयू नेता) नीतीश कुमार को आगाह कर रहे हैं-याद रखें कि अगर आप इस अहम मोड़ पर इस विधेयक का समर्थन करते हैं, तो जब तक दुनिया का अस्तित्व रहेगा, मुसलमान आपको माफ नहीं करेंगे, क्योंकि यह आपके समर्थन से पारित होगा। उन्होंने कहा, इस असंवैधानिक विधेयक का समर्थन न करें। ओवैसी ने इस बात को रेखांकित किया कि यह विधेयक गैर-मुस्लिमों को वक्फ परिषद और बोर्डों का हिस्सा बनने की इजाजत देता है, जबकि अन्य धर्मों की धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए समर्पित संपत्तियों के प्रबंधन का जिम्मा संभालने वाली संस्थाओं में केवल उस समुदाय से संबंधित लोगों को ही सदस्य बनाया जाता है।

उन्होंने आरोप लगाया, सरकार एक असंवैधानिक और मुस्लिम विरोधी कदम उठाने जा रही है। धरना स्थल पर संवाददाताओं से मुखातिब कांग्रेस नेता और अल्पसंख्यक मामलों के पूर्व मंत्री सलमान खुर्शीद ने दावा किया कि यह विधेयक संवैधानिक रूप से वैध नहीं है और लोग इससे संतुष्ट नहीं हैं।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पिता का निधन

राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/नई दिल्ली/भाषा। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पिता और पूर्व केंद्रीय मंत्री देबेंद्र प्रधान का सोमवार को उम्र संबंधी जटिलताओं के कारण निधन हो गया। वह 84 साल के थे।

देबेंद्र प्रधान ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री के रूप में सेवाएं दी थीं। वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई के तीन बार अध्यक्ष रहे थे। उन्होंने नई दिल्ली में अपने बेटे धर्मेंद्र प्रधान के तीन मूर्ति लेन स्थित सरकारी आवास पर अंतिम सांस ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देबेंद्र प्रधान के निधन पर शोक जताया। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता देबेंद्र प्रधान के निधन से दुखी हूं। मैं उन्हें कई वर्षों से जानती थी। इस कारण मुझे जनसेवा के प्रति उनके समर्पण और ओडिशा तथा राष्ट्र के विकास में उनके योगदान की गवाह बनने का मौका मिला। उनके बेटे एवं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, परिवार के अन्य सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने देबेंद्र प्रधान के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और ओडिशा में भाजपा को मजबूत करने के उनके प्रयासों की सराहना की। मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, डॉ. देबेंद्र प्रधान जी ने एक मेहनती और विनम्र नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने ओडिशा में भाजपा को मजबूत करने के लिए कई प्रयास किए।

विपक्ष वक्फ विधेयक पर कर रहा है मुसलमानों को गुमराह : भाजपा

बोर्ड की संपत्ति को नहीं है इससे कोई खतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को विपक्षी दलों पर वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर मुसलमानों को 'गुमराह करने' का आरोप लगाया और दावा किया कि यह विधेयक को संसद से मंजूर हो जाने पर भी स्पष्ट स्वामित्व वाली वक्फ संपत्तियों की 'एक इंच' (जमीन) नहीं ली जायेगी।

सत्तारूढ़ भाजपा ने यह आरोप तब लगाया है जब 'ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड' के नेतृत्व में यहां कई मुस्लिम संगठन वक्फ (संशोधन) विधेयक का विरोध रहे हैं और उनका समर्थन करते हुए कई सांसद भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए हैं। 'ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम)' के प्रमुख प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा), जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) जैसे राजग के घटक दलों को आगाह किया कि यदि वे इस कानून का समर्थन करते हैं तो मुसलमान उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। उनकी इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर, भाजपा के सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा, ''देश में वोट बैंक की राजनीति हमेशा भय फैलाने पर आधारित रही है और यही इन सभी तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दलों का ढर्रा (तौर-तरीका) रहा है।''

पाक में क्रिकेट के पतन पर इंजमाम ने कहा, हम कई क्षेत्रों में गलतियां कर रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने देश में क्रिकेट के पतन पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके लिए इस खेल को संचालित कर रहे लोगों की कई क्षेत्रों में की गई गलतियों को जिम्मेदार ठहराया। इंजमाम में लाहौर में पत्रकारों से कहा कि पिछले दो वर्षों में राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन में बहुत गिरावट आई है। उन्होंने कहा, '' हम सही दिशा में काम नहीं कर रहे हैं और कई क्षेत्रों में लगातार गलतियां कर रहे हैं।''

राष्ट्रीय चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष इंजमाम ने आगाह किया कि अगर जल्द ही ठोस योजना तैयार नहीं की गई तो यह गिरावट आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने इसके लिए टीम प्रबंधन, कोच और खिलाड़ियों में लगातार बदलाव को जिम्मेदार ठहराया। इंजमाम ने कहा, ''मेरा मानना है कि क्रिकेट बोर्ड को अब अपनी गलतियों से सीख लेनी चाहिए और उन गलतियों को दोहराने से बचना चाहिए जो वह पिछले दो वर्ष से कर रहे हैं। दो वर्षों में पाकिस्तान की टीम के प्रदर्शन में बहुत गिरावट आई है। अगर हमने तुरंत सही दिशा में कदम नहीं उठाए तो यह गिरावट आगे भी जारी रहेगी। हमें बैठकर इस पर विचार करना चाहिए कि हमने कहां गलतियां की।''

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे को रोकने में रेल मंत्री पूरी तरह से नाकाम रहे थे : तृणमूल सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक सांसद ने सोमवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि फरवरी महीने में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे को रोकने में रेल प्रशासन और रेल मंत्री पूरी तरह से नाकाम रहे थे।

तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने वर्ष 2025-26 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांग पर चर्चा तथा मतदान में हिस्सा लेते हुए कहा कि संपूर्ण रेलवे बजट में कमी आई है। उन्होंने दावा किया, ''यह वित्त वर्ष 2023-24 के 2.92 लाख करोड़ रुपए से घटकर 2025-26 में 2.65 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इस तरह यह नौ प्रतिशत से अधिक की गिरावट है।'' बनर्जी ने कहा कि बजट में कमी से न केवल रेलवे में सेवा की गुणवत्ता प्रभावित होगी बल्कि यात्रियों की सुरक्षा पर भी इसका असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''यात्रियों की सुविधाओं पर आवंटन में लगातार कमी आई है, स्टेशनों के रखरखाव, शौचालय, टिकटिंग सर्विस और अन्य यात्री केंद्रित सुविधाओं में लगातार कमी आई है।'' उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में 200 रेल दुर्घटनाओं में 351 लोग की मौत हुई और 970 घायल हुए। बनर्जी ने हालिया रेल दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि 15 फरवरी 2025 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोग मारे गए, जब हजारों हिंदू तीर्थयात्री महाकुंभ (प्रयागराज) जाने के लिए स्टेशन पर प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह देखा गया कि इस हादसे को रोकने में रेलवे मशीनरी नाकाम हो गई और रेल मंत्री नाकाम रहे।'' मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सचिदानंदम आर. ने आरोप लगाया कि भारतीय रेलवे द्वारा परचालित की जा रही यात्री ट्रेनों को अब एक्सप्रेस ट्रेनों में तब्दील कर दिया गया है। उन्होंने वंदे भारत और तेजस जैसी ट्रेनें अमीर लोगों के लिए शुरू किये जाने का दावा करते हुए, आम आदमी के लिए अमृत भारत गैर एसी (वातानुकूलित) ट्रेन, अमृत भारत पैसेंजर ट्रेन परिचालित किये जाने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए टिकट में रियायत का भी अनुदान की मांगों में कोई उल्लेख नहीं किया गया है। वहीं, जनता दल (सेक्युलर) के एम मल्लेश बाबू ने देश के प्रत्येक स्टेशन पर 'मिनी मेडिकल कियोस्क' खोलने की मांग की। उन्होंने कहा कि यात्रियों को स्टेशन पर स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं पेश आने पर वहां से बाहर निकलकर दवा खरीदनी पड़ती है।

बिल गेट्स, शिवराज सिंह चौहान ने कृषि एवं ग्रामीण विकास में सहयोग पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सह-अध्यक्ष बिल गेट्स ने सोमवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की और कृषि एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के बाद चौहान ने कहा, '' बिल फाउंडेशन पहले से ही कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहयोग से भारत सरकार के साथ काम कर रहा है और आज फिर हमने चर्चा की कि हम किन क्षेत्रों में मिलकर काम कर सकते हैं।''

चौहान ने गेट्स से कहा कि भारत का ध्यान भविष्य की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जलवायु प्रतिरोधी और जैव-फोर्टिफाइड किस्मों के विकास पर है। मंत्री ने कहा, ''गेट्स फाउंडेशन आईसीएआर के साथ काम कर रहा है, इस क्षेत्र में और अधिक तकनीकी सहयोग की गुंजाइश है।'' भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने 2,900 से अधिक फसल किस्में विकसित की हैं, जिनमें से 85 प्रतिशत प्रतिकूल जलवायु सहिष्णु हैं और 179 जैव-फोर्टिफाइड हैं। बिल गेट्स ने कहा कि भारत में किए जा रहे कृषि अनुसंधान उत्कृष्ट हैं, जिसका लाभ दुनिया के बाकी देशों को भी मिल सकता है। मंत्री ने कहा कि भारत और गेट्स फाउंडेशन के बीच साझेदारी को और गहरा करने की अपार संभावनाएं हैं, खासकर डिजिटल कृषि, कृत्रिम मेधा, जैव प्रौद्योगिकी और प्रतिकूल जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों के क्षेत्र में ऐसे सहयोग बढ़ सकते हैं।

चौहान ने ग्रामीण विकास और कृषि मंत्रालय के साथ गेट्स फाउंडेशन के सहयोग की सराहना की और कहा कि ''आपने मॉडल क्लस्टर लेवल फेडरेशन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।'' बैठक में कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, ग्रामीण विकास सचिव शैलेश सिंह, दोनों मंत्रालयों और आईसीएआर के अधिकारियों के साथ-साथ गेट्स फाउंडेशन के अधिकारी हरि मेनन और अलकेश आडवाणी भी मौजूद थे।

सुविचार

यदि आप सभी त्रुटियों के लिए दरवाजा बंद कर दोगे तो सच अपने आप बाहर बंद हो जाएगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हर बच्चा एक योद्धा

भारत में परीक्षाओं में नंबरों का हद से ज्यादा महिमा-मंडन किया जा रहा है। इसके दुष्परिणाम भी दिखाई दे रहे हैं। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक सरकारी कर्मचारी अपने दो छोटे बच्चों की हत्या कर फंदे पर झूल गया, क्योंकि उनका शैक्षणिक प्रदर्शन कमजोर था। उसे चिंता थी कि अगर बच्चे अभी इतने कमजोर हैं तो 'प्रतिस्पर्द्धात्मक दुनिया' में कैसे सफल होंगे! परीक्षाओं में सफलता पाना अच्छी बात है। क्या यह बच्चों की जिंदगी से बढ़कर है? यह भी तो हो सकता था कि ये बच्चे भविष्य में अच्छा प्रदर्शन करते और जीवन में सफल होते! शुरुआती कक्षाओं में किसी परीक्षा के नंबर देखकर यह अंदाजा लगाना कि उस बच्चे का कोई भविष्य नहीं है, घोर अनुचित है। ऐसे लोगों को आइंस्टीन के बारे में पढ़ना चाहिए। उन्होंने बचपन में ऐसा कोई कमाल नहीं किया था, जिसके आधार पर यह कहा जा सके कि इस बच्चे में बड़ा वैज्ञानिक बनने के गुण हैं। ईश्वर ने हर बच्चे को कोई-न-कोई प्रतिभा देकर भेजा है। अगर मौजूदा व्यवस्था उसे नहीं पहचान पाती, उसकी प्रतिभा का सकारात्मक उपयोग नहीं कर पाती तो यह स्पष्ट रूप से उसकी विफलता है। इसमें बच्चे का क्या दोष है? हमारे देश में जैसी शिक्षा प्रणाली रही है, उसने बड़ी-बड़ी प्रतिभाओं का भारी नुकसान किया है। असल में यह देश का नुकसान था। ऐसे कितने ही लोग मिल जाएंगे, जो बचपन में बहुत अच्छी चित्रकारी करते थे, लेकिन उन्हें एक दिन स्कूल में ऐसी डांट पड़ी कि इससे हमेशा के लिए तौबा कर ली। कई लोग खेलकूद में बहुत अच्छे थे, लेकिन उन्हें कोई प्रोत्साहन नहीं मिला। अगर प्रोत्साहन मिलता तो वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्पर्द्धाओं में इतिहास रचते।

इतनी आबादी होने के बावजूद हमारा देश ओलंपिक मेडलों की सूची में कहां है? भारत की नौजवान आबादी के कारण इसे युवाओं का देश कहा जाता है। वहीं, चीन और जापान, जो (कुल प्रजनन दर में भारी गिरावट के कारण) बुजुर्गों के देश कहलाते हैं, वे इस सूची में कहां हैं? पढ़ाई-लिखाई की ओर ध्यान देना सराहनीय है। जो बच्चा अच्छे नतीजे लेकर आए, उसे बधाई मिलनी चाहिए। इसके साथ ही उन बच्चों का भी हौसला बढ़ाना चाहिए, जिनके कम नंबर आए हैं। परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न नहीं बनाना चाहिए। परीक्षाओं के नतीजे आते ही कई परिवारों में भयानक दृश्य देखने को मिलते हैं। सबसे पहले तो उस बच्चे को खरी-खोटी सुनाई जाती है। उसकी अक्ल पर सवालिया निशान लगाया जाता है। उसे मिलने वाली 'सुविधाओं' में भारी कटौती कर दी जाती है। घर के बड़े-बुजुर्ग उसे डांट-फटकार लगाते हुए बताते हैं कि हमारे ज़माने में ऐसा होता था! अगर पड़ोस या रिश्तेदारी में किसी बच्चे के अच्छे नंबर आ गए तो उसका उदाहरण दे-देकर ताने मारे जाते हैं। क्या इस तरह उस बच्चे का प्रदर्शन सुधारा जा सकता है? क्या इस तरीके से बच्चे को तेजस्वी बनाया जा सकता है? अगर कोई बच्चा पढ़ाई में आशानुकूल प्रदर्शन नहीं कर पाता तो इसकी वजह मालूम करने के लिए उसके साथ अच्छे माहौल में बात करनी चाहिए। अगर उसे अतिरिक्त मार्गदर्शन या शैक्षणिक सामग्री की जरूरत है तो उसका इंतजाम करना चाहिए। हां, बच्चे को अनुशासित करना जरूरी है। अगर वह टीवी, मोबाइल फोन आदि को बहुत ज्यादा समय देता है तो इनके इस्तेमाल को लेकर नियम निर्धारित करने चाहिएं। बच्चे की छोटी-छोटी उपलब्धियों की भी तारीफ करनी चाहिए। उसे शुरुआत में कुछ आसान लक्ष्य देकर पुरस्कृत करना अच्छा उपाय हो सकता है। यह सोचना या कहना किसी भी सूरत में ठीक नहीं है कि बच्चे का कोई भविष्य नहीं है। इतिहास गवाह है, बचपन में छोटी-छोटी बातों से डरने वाले भी भविष्य में उचित माहौल और मार्गदर्शन पाकर महान योद्धा बने हैं। हर बच्चा एक योद्धा है। उसका हौसला बढ़ाएं, हिम्मत न तोड़ें।

ट्वीटर टॉक

महिला अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला जी की जयंती पर सादर नमन। अंतरिक्ष में कीर्तिमान गढ़ने वाला आपका अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प प्रणम्य है। आपकी विरासत बेटियों को सपने देखने और उन्हें साकार कर नए क्षितिज को छूने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

-अर्जुनराम मेघवाल

अंतरिक्ष की अनंत ऊंचाइयों में हिंदुस्तान का नाम रोशन करने वाली, नारी सशक्तीकरण की उत्कृष्ट मिसाल और भारतीय मूल की प्रथम महिला अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला जी की जयंती पर उन्हें नमन। आपका जीवन सदैव नारी शक्ति को राष्ट्र उपासना हेतु प्रेरित करता रहेगा।

-भजनलाल शर्मा

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पिताजी व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. देवेंद्र प्रधान के निधन का दुःखद समाचार मिला। उनका जीवन राष्ट्र व समाज सेवा के लिए समर्पित रहा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें व परिजनों को संबल प्रदान करें।

मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

सिद्ध की पहचान

आचार्य रामकृष्ण परमहंस से किसी ने पूछा, 'सिद्ध के लक्षण क्या हैं?' परमहंस ने उत्तर दिया, 'जैसे चावल पकने पर नरम, कोमल, कण रहित और मृदु हो जाता है, वैसे ही साधक का हृदय जब साधना से परिपक्व हो जाता है, तो वह विनम्र, मधुर, कोमल, निरभिमान और असंग हो जाता है। ऐसे व्यक्ति को सिद्ध कहा जाता है।' इसका अर्थ यह है कि जब साधक अपनी साधना के माध्यम से आत्मा की उन्नति करता है, तो वह अपने भीतर से अहंकार, मोह और बंधनों को छोड़ देता है। उसका हृदय शुद्ध, निर्मल और मृदु हो जाता है। वह संसार के प्रति असंग और अविचलित हो जाता है। सिद्ध वही होता है, जो आत्मज्ञान में परिपूर्ण हो, जिनका हृदय प्रेम और शांति से भरपूर हो, जीवन विनय और सरलता से परिपूर्ण हो। सिद्ध की यह अवस्था साधना और आत्मविकास की अंतिम परिणति होती है।

सामयिक

बलूच रेल अपहरण से पाक सेना व सरकार की साख मिट्टी में मिली

अवधेश कुमार

मोबाइल : 9811027208

पाकिस्तान में बलूच लड़ाकों द्वारा रेल अपहरण की घटना ने संपूर्ण विश्व का ध्यान एक साथ बलूचिस्तान समस्या, पाकिस्तान सरकार और सेना की लाचारी की ओर खींचा है। जब बलूच लिबरेशन आर्मी या बीएलए द्वारा क्वेटा से पेशावर जा रही जफर एक्सप्रेस ट्रेन को बलूचिस्तान में बोलन दर्रे के पास अपहृत करने का समाचार आया तो पहली प्रतिक्रिया यही थी कि यह लंबे समय नहीं चलेगा। आखिर कोई हथियारबंद संगठन संपूर्ण सत्ता और सुरक्षा व्यवस्था के विरुद्ध कैसे टिक सकता है। जब पाकिस्तानी सेना ने कहा कि बंधक संकट खत्म हो गया है, सभी 33 बीएलए लड़कों को मार गिराया गया है एवं बंधक छुड़ा लिए गए तो लगा कि हुआ ही होगा। सेना ने बंधकों की रिहाई या बीएलए को पहुंचाई क्षति का न वीडियो जारी किया न तस्वीर। ऐसा होता नहीं। इसके ठीक बाद बीएलए ने बयान जारी किया कि पाकिस्तानी सेना झूठ बोल रही है। उसने अपने जवानों को हमारे हाथों मरने के लिए छोड़ दिया है। छुड़ाना होता तो हमारी मांगों और बंधकों की रिहाई पर गंभीर बातचीत करते।' बीएलए ने बंधकों को छोड़ने के बदले बलूच कैदियों की रिहाई पर बातचीत करने के लिए 48 घंटे का समय दिया था। बीएलए प्रवक्ता जियांद बलूच का बयान था-' पाकिस्तान ने सार्थक बातचीत की जगह पुरानी जिद और सैन्य अहंकार को चुना और जमीन पर स्थिति को स्वीकार करने में विफल रहा। इस जिद के परिणामस्वरूप सभी 214 बंधकों को मार दिया गया है। बीएलए ने संघर्ष में मारे गए अपने 12 लड़ाकों को श्रद्धांजलि दी जिनमें माजिद ब्रिगेड के पांच आत्मघाती शामिल हैं।

यह सच है कि बोलन दर्रे के पास कई घंटे तक लड़ाई चली किंतु सेना सफल नहीं हुई। बलोच का यह बयान भी स्वीकार किया जाएगा कि आप बीएलए लड़ाकों के शवों को अपनी सफलता के रूप में दिखा रहे हैं तो यह इसलिए बेकार है क्योंकि उनका लक्ष्य कभी जिंदा वापस लौटना था ही नहीं बल्कि आखिरी गोली तक लड़ना था। सेना अपने जवानों की रिहाई नहीं कर सकी। उल्टे उसका यह झूठ उजागर हो गया कि जिन आम लोगों को बचाने का वह दावा कर रही है उनमें से बड़ी संख्या को बलूचों ने रिहा कर दिया था। बलोच ने कहा कि उन्हें युद्ध के नियमों के तहत सुरक्षित रास्ता दिया गया था। रेल का अपहरण करते समय लगभग 450 लोग उसमें थे जिनमें 214 सेना के जवान थे। रिहा होकर बाहर निकले अनेक पुरुषों और महिलाओं ने कहा कि लड़ाकों ने उन्हें यह बोलते हुए सुरक्षित निकलने दिया कि जो परिवार के साथ हैं निकल जाएं। यह बलूचों के संघर्ष का चरित्र बताता है। यानी वे आतंकवादी संगठनों की तरह नियमहीन क्रूर संघर्ष नहीं किसी देश द्वारा कब्जे से मुक्त होने के लिए युद्ध के अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करते हुए लड़ रहे हैं। उसके बयान में शामिल है कि हमने युद्ध के अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करते हुए निर्दोष लोगों, महिलाओं, बच्चों आदि को रिहा कर दिया। पाकिस्तानी मीडिया में यह समाचार आते ही कि काफी संख्या में कॉफिन ले जाए गए हैं वस्तुस्थिति सामने आ गई। पाकिस्तान में आम मृत व्यक्तियों के लिए नहीं सेना के लिए कॉफिन का प्रयोग होता है। यानी सेना और सरकार लोगों को गफलत में डाल रही है और अपनी शर्मनाक पराजय तथा गलत तरीके से बंधक समस्या को हैंडल करने की नीति को छिपाने की कोशिश कर रही थी।

पाकिस्तानी सेना और पुलिस, प्रशासन के लोगों को वहां कब्जा करने वाले विदेशियों के रूप में व्यवहार मिल रहा है। सेना बलूचों को पराजित करने में सफल नहीं हुई और रेल अपहरण कांड बताता है कि संघर्ष उस सीमा तक पहुंच गया है जहां से पाकिस्तान के लिए कब्जा बनाए रखने तथा बलूचों के लिए भी पाकिस्तान का भाग बनने की मानसिकता में लौटना असंभव है।

पाकिस्तान में सेना को सबसे प्रतिष्ठित और प्रभावी संस्था माना जाता रहा है। पिछले कुछ समय से ऐसी घटनाएं और सच्चाइयां सामने आई है जिनसे पाकिस्तान में ही सेना बदनाम कौम हो गई है। जब इस घटना के बाद पाकिस्तान के इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस या आईएसपीआर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी प्रेस वार्ता में बोल रहे थे कि आतंकवादियों से वैसे ही निपटा जाएगा जैसे वह चाहते हैं, हम उनसे उनके मददगारों से, समर्थकों से चाहे वे पाकिस्तान के अंदर हो या बाहर निपटेंगे तो आम जानकार लोग हंस रहे थे। बलूचिस्तान की पूरी स्थिति देश के सामने है। सेना और सरकार के झूठ मिनटों में ध्वस्त कर दिए जाते हैं। अगर सेना तस्वीर जारी कर बताती है कि उसने इतने बलूच विद्रोहियों को मारा या क्षेत्र को मुक्त कराया तो लोग सोशल मीडिया पर उन तस्वीरों की सच्चाई ला देते हैं। ये किसी दूसरे देश की घटनाओं की तस्वीरें होतीं है। सेना बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे सक्रिय लोगों के बीच मजाक का विषय बनती गई है। एक समय पाकिस्तान में पढ़ाया जाता था कि 1965 और 1971 का युद्ध हमने जीता था। अब उसकी सच्चाई सामने है तथा लोग सवाल कर रहे हैं कि आपने झूठ क्यों फैलाया? कारगिल के बारे में आम पाकिस्तानी बोलते हैं कि हमाऐ सेना इतनी बेगैरत है कि अपने ही जवानों के शवों को विरोधी सेना के रहमों- करम पर छोड़ दिया और उन्हें 2 गज जमीन इज्जत से नसीब कराने तक से पीछे हट गए। इमरान खान की तहरीक ए इंसाफ पार्टी ने सेना के मुख्य केन्द्र तक में तोड़फोड़ की और लोग उसके विरुद्ध खड़े नहीं हुए। अनेक जगह सेना को अपमान झेलना पड़ता है और जनता पक्ष में खड़ी नहीं होती। यह पाकिस्तान में ऐसा बदलाव है जिसकी कल्पना नहीं की गई थी।

पाकिस्तान के लोगों ने रेल अपहरण का विरोध किया, उसकी निंदा की, वहां के टेलीविजन चैनलों ने भी आतंकवादी घटना बताते हुए विरोध किया, किंतु सेना के पक्ष में पहले की तरह सम्मानजनक भाषा नहीं सुना गया है। वस्तुतः पाकिस्तान सेना का भ्रष्टाचार, विलासिता, अय्याशी तथा युद्ध में शर्मनाक पराजय या पीछे हटने की घटनाओं ने उसकी साख मिट्टी में मिला दिया है। बलूचिस्तान में सेना बुरी तरह विफल है। आप सोचिए, जिस ट्रेन में 241 सेना के जवान हो उसका अपहरण करके उन्हें मार दिया जाए इससे शर्मनाक क्या हो सकता है? बलूचों को कैसे पता चला कि उसमें सेना जा रही है। अपहरण की तैयारी भी कई दिनों में हुई होगी क्योंकि एक-दो दिन में यह संभव नहीं। संसद के अंदर फजलुर रहमान और अनेक सांसद खड़े होकर बोलते हैं कि आज अगर बलोच स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर दें तो उसको हमारे पाकिस्तान का भाग बनाए रखने का कोई रास्ता नहीं बचा है। जब सेना बलोच के कुछ क्षेत्रों पर नियंत्रण का दावा कर तस्वीरें जाती करती है तो बलोच लड़के उसे मक्त बताते हुए अपने नियंत्रण का प्रमाण पेश कर देते हैं। बलूचिस्तान के ज्यादातर क्षेत्रों से पाक सरकार का नियंत्रण समाप्त हो चुका है। सेना जिस तरह वहां जुल्म करती रही है उसके विरुद्ध आम जनता में भी विद्रोह है। विदेश में निर्वासित हुए या रह रहे बलोचों तथा हथियार और अहिंसक तरीके से लड़ रहे बलूच समूहों ने सेना की जुर्म के जो विवरण बार-बार दिए हैं वो मानवता को शर्मशार करने वाले हैं। लोगों को पंक्तियों में खड़ा कर कर गोली मार दी गई, बच्चों और महिलाओं तक को नहीं बक्शा गया। ऐसी भी घटनाएं हैं जिनमें गर्भवती महिला को वायुयान में ले जाकर ऊपर से नीचे फेंक दिया। आतंकवाद से संघर्ष का विश्वास दिखाने के लिए सेना बलोचों को मारती और अमेरिका के पास तस्वीर भेजती थी कि हमने आतंकवादियों को मार दिया। इसके भी सच सामने आ गए। बलूचिस्तान का अपना अलग अस्तित्व रहा है। आजादी के बाद उसकी अपनी व्यवस्था थी। इस्लामाबाद में उसके दूतावास थे जिसमें बलूच झंडा लगा था।

बलूचों ने अपने को अलग देश साबित करने के लिए मोहम्मद अली जिन्ना को ही वकील रखा था जिन्होंने अंग्रेजों के समक्ष उनका केस प्रस्तुत किया। बाद में जिन्ना ने ही बलूचिस्तान को हड़प लिया। तभी से बलूच अपनी आजादी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अपनी खनिज संपदा तथा प्राकृतिक संसाधनों व मनोरम दृश्यों के लिए विख्यात बलोच पाकिस्तान सेना व सत्ता के शोषण और दमन का शिकार रहा है। चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा का निर्माण आरंभ होने तथा ग्वादर बंदरगाह चीन को सौंपने के बाद विद्रोह ज्यादा प्रचंड हुआ है। बलोचों इसे आर्थिक गुलामी का ढांचा बताते हैं । वे मानते हैं कि हमारी खनिज संपदाओं को चीनी अपने देश ले जाएंगे और हमें कुछ नहीं मिलेगा। इस आजादी और अपनी संप्रभुता पर हमला करार दिया।

पाकिस्तानी सेना और पुलिस, प्रशासन के लोगों को वहां कब्जा करने वाले विदेशियों के रूप में व्यवहार मिल रहा है। सेना बलूचों को पराजित करने में सफल नहीं हुई और रेल अपहरण कांड बताता है कि संघर्ष उस सीमा तक पहुंच गया है जहां से पाकिस्तान के लिए कब्जा बनाए रखने तथा बलूचों के लिए भी पाकिस्तान का भाग बनने की मानसिकता में लौटना असंभव है। भारत किसी संघर्ष में हिंसा, हथियारबंद विद्रोह का समर्थन नहीं करता है। किंतु पाकिस्तानी सेना सामान्य मानवता को ताक पर रख बलूचों को जघन्य अपराधी मानकर बेरहमी से उनके विरुद्ध हिंसा करती है वह राज्य आतंकवाद है।

नजरिया

विदेशी महिलाओं से दुष्कर्म की घटनाओं से शर्मसार होता देश

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

अतिथि देवो भवः भारतीय संस्कार में मेहमान को भगवान का दर्जा दिया गया है, लेकिन आए दिन विदेशी मेहमानों के साथ हो रहे अपराध, यौन-दुराचार एवं व्यभिचार इसे धता बता रहे हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद विदेशियों के साथ होने वाले अपराध कम नहीं हो रहे, ऐसी ही दो विदेशी महिलाओं संग हुई दरिंदगी की घटनाओं को सुन भारतीय लोगों का दिल दहल गया। कर्नाटक के हंपी में इस्राइली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ गैंगरेप की घटना का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि दिल्ली में एक ब्रिटिश पर्यटक से दुराचार का घृणित मामला सामने आया है। थोड़े-थोडे़ अन्तराल के बाद होने वाली ऐसी घटनाएं न केवल शर्मसार कर रही है बल्कि भारत के संस्कारों एवं अस्मिता पर भी दाग लगा रही है। हाल के दिनों में भारत में यौन अपराधों की बाढ़-सी आई हुई है। न केवल विदेशी बल्कि भारतीय महिलाओं के साथ घृणित यौन अपराधों की इन तमाम घटनाओं को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस नैतिक पराभव का कारण क्या है? कहीं न कहीं ये जीवन मूल्यों में क्षरण एवं विकृत होती मानसिकता का भी परिचायक है। दरअसल, इंटरनेट और कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री की बाढ़-सी आई हुई है। देश का युवा उसकी चपेट में आकर भटकाव की राह में बढ़ रहा है, जिसे नियंत्रित करना सरकार एवं प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए एवं सामाजिक जागृति का माहौल भी बनाया जाना चाहिए।

निश्चय ही विदेशी महिलाओं के साथ होने वाले ऐसे घिनौने एवं दुराचारी कृत्य देश की छवि को धूमिल करने वाले है। हंपी की घटना तो भयावह थी, जिसमें रात में कैंपिंग कर रहे तीन पर्यटकों को नहर में फेंक दिया गया और तीन अपराधियों ने इस्राइली महिला व एक भारतीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया। दोनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं नदी में फेंके गए एक पर्यटक की मौत हो गई, जिसका शव बरामद कर लिया गया। पर्यटकों में एक अमेरिकी व दो भारतीय थे। बदमाशों ने न केवल दुष्कर्म किया बल्कि मारपीट व लूटपाट भी की। हालांकि, तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन देश की प्रतिष्ठा को जो आंच आई है, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं। इसने न सिर्फ समाज की छवि को धूमिल किया, बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा पर भी प्रभाव डाला है। यह भारतीय पर्यटन को आहत कर सकता है, बहुत संभव है कि विदेशी सरकारें भारत आने वाले पर्यटकों को लेकर कोई नकारात्मक एडवाइजरी जारी करें।

समाज विज्ञानियों को आत्मंमथन करना होगा कि यौन अपराधों को लेकर सख्त कानून बनने के बावजूद इस आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? विदेशों में भारत की छवि यौन अपराधियों के चलते लगातार क्षत-विक्षत हो रही है। गाहे-बगाहे सुनसान पर्यटक स्थलों पर यौन दुर्व्यवहार की घटनाएं अक्सर सुनने को मिलती हैं। लेकिन दिल्ली के एक होटल में एक ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म का मामला अधिक चिन्ताजनक है। एक युवक ने सोशल मीडिया पर दोस्ती करके भारत घूमने आई ब्रिटिश महिला को दिल्ली बुलाया और एक होटल में दुष्कर्म किया। इस मामले में ब्रिटिश दूतावास ने संज्ञान लिया है। सवाल है कि जब ऐसी कोई आपराधिक घटना हो जाती है और जनाक्रोश उभरता तथा मामला तूल पकड़ लेता है, तभी सरकार, प्रशासन एवं पुलिस की नींद क्यों खुलती है? यही सक्रियता अगर सामान्य स्थितियों में भी कायम रहे, तो शायद आपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्ति के भीतर कानूनी कार्रवाई का डर बन सकता है और इस तरह ऐसे अपराधों को पहले ही रोका जा सकता है।

विदेशी महिलाओं के प्रति यह संवेदनहीनता एवं बर्बरता कब तक चलती रहेगी? भारत विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी कई हिस्सों में विदेशी महिलाओं को लेकर गलत धारणा एवं विकृत सोच कायम है जो भारत की गौरवपूर्ण संस्कृति को धुंधलाती है। देश की राजधानी दिल्ली में ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर हमें शर्मसार किया है, झकझोर दिया है। बड़ा सवाल यह है कि नारी अस्मिता को कुचलने की हिंसक मानसिकता का तोड़ हम अब भी क्यों नहीं तलाश पा रहे हैं? क्यों नये-नये एवं सख्त कानून बन जाने के बावजूद नारी की अस्मिता एवं अस्तित्व असुरक्षित है? क्यों हमारे

शहरों को रेप सिटी ऑफ द वर्ल्ड' कहा जाने लगा है। आखिर कब तक महिलाओं के साथ ये दरिन्दगीभरी एवं त्रासद घटनाएं होती रहेंगी? नारी की अस्मत का सरेआम लूटा जाना एवं उन पर हिंसा - एक घिनौना और त्रासद कालापृष्ठ है और उसने आम भारतीय को भीतर तक झकझोर दिया।

कौन मानेगा कि यह वही दिल्ली है, जो करीब तीन दशक पहले निर्भया के साथ हुई निर्ममता पर इस कदर आन्दोलित हो गई थी कि उसे इंसाफ दिलाने सड़कों पर निकल आई थी। जाहिर है, समाज की विकृत सोच को बदलना ज्यादा जरूरी है। रेप, यौन-दुष्कर्म, व्यभिचार जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए रेपिस्टों एवं दुष्कर्मियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने और पुलिस व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने की मांग के साथ समाज के मन-मिजाज को दुरुस्त करने का कठिन काम भी हाथ में लेना होगा। ये घटनाएं शिक्षित समाज के लिए बदनुमा दाग है। अगर ऐसी घटनाएं होती रहीं तो फिर कानून का खौफ किसी को नहीं रहेगा और अराजकता की स्थिति पैदा हो जाएगी। कानून कितने भी क्यों न हों जब तक समाज स्वयं महिलाओं को सम्मान नहीं देगा तब तक कुछ नहीं हो सकता। समाज तमाशबीन बना रहेगा तो फिर कौन रोकेगा हैवानियत, दरिन्दगी को, बलात्कार को।

जैसे-जैसे देश आधुनिकता की तरफ बढ़ता जा रहा है, नया भारत-सशक्त भारत-शिक्षित भारत बनाने की कवायद हो रही है, वैसे-वैसे महिलाओं पर हिंसा एवं यौनाचार के नये-नये तरीके और आंकड़े भी बढ़ते जा रहे हैं। अवैध व्यापार, बदला लेने की नीयत से तेजाब डालने, साइबर अपराध, आनलाइन मित्रता और लिव इन रिलेशन के नाम पर यौन शोषण एवं हिंसा के तरीके हैं। पहले कहा जाता था कि ऐसे अपराध केवल निरक्षर और दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा होते हैं लेकिन आजकल शहरों और महानगरों में महिलाओं एवं विशेषतः विदेशी महिलाओं के साथ अन्याय एवं यौन-दुष्कर्म की खबरें देखने और पढ़ने को मिल जाती हैं। हम सभी कल्पना रामराज्य की करते हैं पर रच रहे हैं महाभारत। महाभारत भी ऐसा जहां न कृष्ण है, न युधिष्ठिर और न अर्जुन। न भीष्म पितामह हैं, न कर्ण सब धृतराष्ट्र, दुर्योधन और शकुनि बने हुए हैं। न गीता सुनाने वाला है, न सुनने वाला। बस हर कोई द्रोपदी का चीरहरण कर रहा है। सारा देश चारित्रिक संकट में है। जब समाज की मानसिकता दुराग्रहित है तो दुष्कर्म एवं दुष्प्रवृत्तियां ही होती हैं। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। जब कभी ऐसी किसी खौफनाक, त्रासद एवं डरावनी घटना की अनेक दावों के बावजूद पुनरावृत्ति होती है तो यह हमारी जबावदारी पर अनेक सवाल खड़े कर देती है।

प्रश्न है कि आखिर हम कब औरत की अस्मत को लुटने की घटना और हिंसक मानसिकता पर नियंत्रण कर पायेंगे? कब हम विदेशी लोगों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आतिथ्य प्रदान करने की पात्रता विकसित कर पायेंगे? अफसोसजनक यह है कि नये-नये नारों एवं उद्घोषों के साथ दुनियाभर के लोगों को भारत आने का आग्रह किया जाता है, मगर विदेश से भारत घूमने आने वाली महिलाओं के साथ ऐसी खौफनाक एवं डरावनी घटनाएं होना न केवल चिन्ताजनक बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण है। बड़ा सवाल है कि विदेशों में भारत की छवि पर दाग न लगे, इसके लिये सरकार को सख्त होना होगा। भारत में जिस 'अतिथि देवो भव' एवं 'वसुधैव कुटुम्बकम' का हवाला दिया जाता रहा है, उसे सचमुच जमीन पर उतारना या सुनिश्चित करना सरकार एवं प्रशासन का ही दायित्व है। एक आदर्श-शासन-व्यवस्था, सृसंस्कृत एवं सभ्य देश एवं समाज के लिये ऐसी घटनाओं का बार-बार होना भी शर्मनाक ही कहा जायेगा। हर व्यक्ति एक न्यूनतम आचार संहिता से आबद्ध हो, अनुशासनबद्ध हो। जो व्यवस्था अनुशासन आधारित संहिता से नहीं बंधती, वह विघटन की सीढ़ियों से नीचे उतर जाती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रूस के आक्रमण के तीन साल बाद भी वैश्विक ऑनलाइन सेना यूक्रेन के लिए लड़ रही

सिडनी। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तीन साल से अधिक समय बाद दोनों युद्धरत देशों के बीच 30 दिन के युद्ध-विराम की संभावनाएं बनती दिख रही हैं, लेकिन न्यायपूर्ण और स्थायी शांति प्राप्त करने की दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध मानव इतिहास के सबसे घातक, विश्लेषित और प्रलेखित युद्धों में से एक है। 24 फरवरी 2022 की रात से लाखों यूक्रेनी नागरिकों, सैन्य कर्मियों, पत्रकारों, अधिकारियों और नागरिक समाज के सदस्यों ने युद्ध पर प्रत्यक्षदर्शी विवरण, अपडेट, टिप्पणियां और राय साझा की हैं।

दुनियाभर में कई ऑनलाइन समूह भी रूसी दुष्प्रचार का मुकाबला करने और यूक्रेन में जो कुछ हो रहा है, उसके बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सक्रिय हो गए हैं। हम पिछले तीन वर्षों से इन समुदायों पर अध्ययन कर रहे हैं, सदस्यों के साथ घंटों साक्षात्कार कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। इस शोध को पूरा करने और सदस्यों से जुड़ने के लिए हमें इनमें से कुछ समूहों में शामिल होना पड़ा-जो साइबर संसार में अध्ययन करने वाले शोधकर्ताओं के लिए एक सामान्य आवश्यकता है। हमारा काम रूस के खिलाफ ऑनलाइन लड़ाई में कार्यकर्ताओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कौशल और रणनीतियों पर प्रकाश डालता है। अधिक व्यापक रूप से, यह दिखाता है कि सोशल मीडिया उपयोगकर्ता युद्ध और अन्य अंतरराष्ट्रीय संकटों के दौर में कैसे लामबंद हो सकते हैं और ऑफलाइन महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के साथ ही इंटरनेट पर गलत सूचना और दुष्प्रचार अभियान भी चलाए गए, जिनका उद्देश्य यूक्रेनी और अंतरराष्ट्रीय उपयोगकर्ताओं के बीच मतभेद, अविश्वास और निराशा पैदा करना था। उदाहरण के तौर पर एक दुष्प्रचार अभियान के तहत यूक्रेन को नाजियों द्वारा शासित एक असफल राज्य के रूप में चित्रित किया गया। यूक्रेन ने रूसी दुष्प्रचार का मुकाबला करने, विश्व से मदद की अपील करने और अपने रक्षात्मक अभियानों को बनाए रखने के लिए खुद का सूचना अभियान शुरू किया। कुछ मामलों में सोशल मीडिया मंचों ने रूस के हितों को आगे बढ़ाया। उन्होंने रूस की ओर से किए गए युद्ध अपराधों के सबूतों को भी दबाया। उदाहरण के लिए रूसी आक्रमण के पहले वर्ष में डिस्क्लोज जैसे स्वतंत्र खोजी पत्रकारिता संगठनों ने यूक्रेनी नागरिकों के खिलाफ रूसी सैनिकों द्वारा किए गए हजारों युद्ध अपराधों का दस्तावेजीकरण किया। इन अपराधों में हत्या, यातना, शारीरिक और यौन हिंसा, जबरन स्थानांतरण, लूटपाट और स्कूलों व अस्पतालों जैसे नागरिक बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाना शामिल था।

जो लोग अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करते हैं, वे दुनिया भर में सफल हो रहे हैं : नायडू

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि जो लोग अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे दुनिया भर में सफलता हासिल कर रहे हैं। नायडू ने कहा कि यह एक गलत धारणा प्रचलित है कि केवल अंग्रेजी भाषा में ही ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

विधानसभा में मुख्यमंत्री नायडू ने कहा, भाषा केवल संवाद का माध्यम है। ज्ञान भाषा से नहीं आ जाएगा। जो लोग अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करते हैं, वे दुनिया भर में सफलता हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में शिक्षा हासिल करना आसान होता है।

नायडू की यह टिप्पणी उपमुख्यमंत्री और जनसेना प्रमुख पवन कल्याण द्वारा हाल ही में तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार के बीच जारी भाषा विवाद पर टिप्पणी करने के बाद आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आपसे यह बहुत स्पष्ट रूप से कह रहा हूं... भाषा नफरत करने के लिए नहीं है। यहां (आंध्र प्रदेश में) मातृभाषा तेलुगु है। हिंदी 'राष्ट्रीय भाषा' है और अंतरराष्ट्रीय भाषा अंग्रेजी है।

नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि आजीविका के लिए मातृभाषा को भूले बिना अधिक से अधिक भाषाएं सीखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 'राष्ट्रीय भाषा' सीखने से दिल्ली में हिंदी में सहजता से बातचीत की जा सकती है। उन्होंने अपील की कि 'भाषाओं को लेकर अनावश्यक राजनीति' में शामिल होने की कोई आवश्यकता नहीं है। नायडू ने अधिक से अधिक भाषाएं सीखने का आह्वान किया।

चीन-भारत संबंधों पर मोदी की 'सकारात्मक' टिप्पणी की चीन ने 'सराहना' की

बीजिंग/भाषा

चीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भारत-चीन संबंधों पर ''सकारात्मक'' टिप्पणी की सोमवार को सराहना की, जिसमें उन्होंने मतभेद के बजाय संवाद को तरजीह दी है।

चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां एक प्रेसवार्ता में अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियों पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि चीन ने चीन-भारत संबंधों पर प्रधानमंत्री मोदी के हालिया सकारात्मक टिप्पणी पर ध्यान दिया है और इसकी सराहना करता है। माओ ने कहा कि अक्टूबर में रूस के कजान में प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच सफल बैठक ने द्विपक्षीय संबंधों के सुधार और विकास के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने महत्वपूर्ण आम सहमतियों पर गंभीरतापूर्वक अमल किया है, आदान-प्रदान को मजबूत किया है और सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात पर जोर देना चाहती हूं कि 2000 से अधिक वर्षों के आपसी संबंधों के इतिहास में दोनों देशों ने मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान बनाए रखा है और दोनों देशों ने सभ्यतागत उपलब्धियों और मानव प्रगति में योगदान देते हुए एक-दूसरे से सीखा है। उन्होंने कहा कि दो सबसे बड़े विकासशील देशों के रूप में, चीन और भारत ने अपने विकास और पुनरोद्धार में तेजी लाने के कार्य को साझा किया है तथा एक-दूसरे की सफलताओं को समझते हैं और उनका समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि यह 2.8 अरब से अधिक लोगों के मौलिक हितों की पूर्ति करता है, क्षेत्रीय देशों की साझा आकांक्षाओं की पूर्ति करता है, तथा 'ग्लोबल साउथ' के मजबूत होने तथा विश्व शांति के लिए अनुकूल होने की ऐतिहासिक प्रवृत्ति का अनुसरण करता है। उन्होंने चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बयान को दोहराते हुए कहा कि दोनों देशों को ऐसा साझेदार बनना चाहिए जो एक-दूसरे की सफलता में योगदान दें और 'हाथी' (भारत) और 'ड्रैगन' (चीन) का तालमेल बिठाकर साथ चलना ही दोनों देशों के संबंधों के लिए ''एकमात्र सही विकल्प'' है। उन्होंने कहा कि चीन दोनों नेताओं के बीच महत्वपूर्ण आम सहमति को लागू करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चीन राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ को एक अवसर के रूप में लेगा और द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और सुदृढ़ विकास के पथ पर आगे बढ़ाएगा। मोदी ने अपने पॉडकास्ट में कहा कि पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच 2020 में हुई झड़पों से उत्पन्न तनाव को कम करने के लिए राष्ट्रपति शी के साथ उनकी हालिया बातचीत के बाद भारत-चीन सीमा पर सामान्य स्थिति लौट आयी है। विश्व के दो सर्वाधिक जनसंख्या वाले देशों के बीच संबंधों के प्रति आशावादी रुख अपनाते हुए मोदी ने कहा कि पड़ोसियों के बीच मतभेद स्वाभाविक हैं तथा उन्होंने उनके बीच प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों पर जोर दिया, जब दोनों सभ्यताएं एक-दूसरे से सीखती थीं तथा उनके बीच बहुत कम संघर्ष होता था।

'बी हैप्पी' में अभिषेक के काम के लिये मिल रही सराहना से अभिभूत हैं अमिताभ

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन अपने बेटे अभिषेक बच्चन की फिल्म 'बी हैप्पी' में उनके काम के लिए मिल रही सराहना से अभिभूत हैं। अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर लिखा, अभिषेक की फिल्म बी हैप्पी की सराहना से मैं अभिभूत हूं.. एक पिता के लिए इससे बड़े गर्व की बात कुछ नहीं हो सकती। अमिताभ ने अपने प्रशंसकों को फिल्म देखने और अभिषेक के काम को पसंद करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, मैं उन सभी प्रशंसकों और दोस्तों का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने फिल्म देखी और अपना प्यार, आशीर्वाद दिया।

गौरतलब है कि रेमो डिसूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले लिज़ेल रेमो डिसूजा के प्रोडक्शन में बनी और रेमो डिसूजा के निर्देशन में बनी बी हैप्पी एक सिंगल और समर्पित पिता और उसकी समझदार बेटी की इमोशनल जर्नी को दिखाती है। फिल्म में अभिषेक बच्चन, नोरा फतेही, नासर और इनायत वर्मा अहम किरदारों में हैं, जबकि जॉनी लीवर और हरलीन सेठी सपोर्टिंग रोल्स में नजर आ रहे हैं। बी हैप्पी अब प्राइम वीडियो पर भारत और 240 से ज्यादा देशों और टेरिटरीज़ में स्ट्रीम हो रही है।

तापसी पन्नू की फिल्म 'गांधारी' की शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म 'गांधारी' की शूटिंग पूरी हो गयी है। फिल्म निर्माता कनिका ढिल्लों ने अपनी आगामी फिल्म 'गांधारी' की शूटिंग पूरी होने की घोषणा की है। कनिका ढिल्लों ने इंस्टाग्राम पर फिल्म गांधारी के सेट से पर्दे के पीछे की कई तस्वीरें साझा करके फिल्म की शूटिंग पूरी होने की घोषणा की। एक तस्वीर में मुख्य कलाकार तापसी पन्नू,इश्वाक सिंह और क्रू और कनिका के साथ पोज़ देते नजर आ रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी होने की घोषणा करते हुए कनिका ने लिखा, यह पूरा हो गया है! अंतिम टेक भले ही हो गया हो, लेकिन कहानी अभी शुरू ही हुई है। गांधारी, जल्द ही आ रही है !! आपसे मिलते हैं। फिल्म गांधारी, कनिका ढिल्लों लिखित है और उनके बैनर कथा पिक्चर्स के तहत निर्मित की गई है। इस फिल्म का निर्देशन देवाशीष मखीजा ने किया है। 'गांधारी' कनिका और तापसी के बीच एक और सहयोग है, इससे पहले वे 'मनमर्जियां', 'हसीन दिलरुबा' और 'फिर आई हसीन दिलरुबा' जैसी सफल परियोजनाओं में काम कर चुकी हैं। इस फिल्म में 'पाताल लोक' के अभिनेता इश्वाक सिंह भी मुख्य भूमिका में हैं। तापसी फिल्म गांधारी में अपने एक्शन अवतार नजर आयेंगी। कनिका ढिल्लों ने बताया,गांधारी हमारे लिए एक समृद्ध और चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा है। यह एक वीरतापूर्ण कहानी है जिस पर मुझे बेहद गर्व है। तापसी ने पूरी टीम की तरह ही फिल्म में अपना शत प्रतिशत दिया है। हम इसे दर्शकों के सामने लाने का इंतजार नहीं कर सकते। तापसी पन्नू ने कहा, फिल्म गांधारी न केवल मानसिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी चुनौतीपूर्ण फिल्म है।

फिल्म 'ठग लाइफ' में मलयालम, हिंदी सिनेमा के सितारे एक साथ नजर आएंगे

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार कमल हासन ने बताया है कि उनकी आने वाली फिल्म ठग लाइफ में मलयालम, हिंदी और तेलुगु सिनेमा के सितारे एक साथ नज़र आएंगे। कमल हासन और मणिरत्नम की बहुप्रतीक्षित फिल्म ठग लाइफ में कई इंडस्ट्री के पावरहाउस कलाकार एक साथ नज़र आएंगे।

फिल्म नायकन के बाद कमल हसन और मणिरत्नम के बीच दूसरी बार सहयोग करने का मौका है। मणिरत्नम के दूरदर्शी निर्देशन, ए.आर. रहमान के दिल को छू लेने वाले संगीत और कमल हासन की बेजोड़ मौजूदगी के साथ, यह फिल्म एक शानदार एक्शन एंटरटेनर होने की उम्मीद है।ठग लाइफ में मलयालम, हिंदी और तेलुगु सिनेमा के कलाकार नज़र आएंगे, जो इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी मल्टी-स्टारर फिल्मों में से एक बनाता है। हाल ही में फिक्की के एक कार्यक्रम के दौरान, कमल हासन ने कहा, ठगलाइफ एक मल्टी-स्टारर फिल्म है, और फिल्म के कुछ कलाकार भविष्य में स्टार बनने जा रहे हैं। यदि हम उन्हें शामिल करते हैं, तो यह वास्तव में एक मल्टी-स्टारर फिल्म बन जाती है। यह ऐसी फिल्म है जिसे मणि बनाना चाहते थे और मैं भी ऐसा करना चाहता था - इसलिए हम इसे बना रहे हैं।कहानी में कई किरदार हैं, जिन्हें मलयालम, हिंदी और तेलुगु सिनेमा के असाधारण प्रतिभाशाली अभिनेताओं ने निभाया है। हमारे पास हर तरह की बेहतरीन प्रतिभा है और उनमें से हर कोई अपने दम पर फिल्म को संभालने में सक्षम है।

कमल हासन, मणि रत्नम, आर. महेंद्रन और शिव अनंत निर्मित फिल्म ठग लाइफ में कमल हासन, सिलंबरासन टीआर, त्रिशा, नासिर, अभिरामी, जोजू जॉर्ज, अशोक सेलवन, ऐश्वर्या लक्ष्मी, महेश मांजरेकर अली फजल, वैयापुरी और अन्य प्रमुख भूमिकाएँ हैं। यह फिल्म 05 जून को दुनिया भर में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

नई दिल्ली में अठारहवीं लोकसभा के बजट सत्र के दौरान संसद भवन में भाजपा सांसद कंगना रनौत।

'कुली' से श्रुति हासन का नया पोस्टर जारी

मुंबई/एजेन्सी

आगामी फिल्म 'कुली' के निर्माताओं ने फिल्म से श्रुति हासन का नया लुक जारी कर दिया है। प्रीति के रूप में श्रुति हासन का नया लुक गंभीर लेकिन प्रभावशाली अंदाज में सामने आया है। उनका किरदार गंभीर नजर आ रहा है। निर्माताओं ने पहले एक आकर्षक पोस्टर के साथ श्रुति के किरदार को पेश किया था। फिल्म में रजनीकांत मुख्य भूमिका में हैं। 'कुली' के अलावा, श्रुति की हालिया रिलीज फिल्म 'द आई' ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल में दिल जीत रही है। हाल ही में इस फिल्म का भारतीय प्रीमियर वेंच फिल्म फेस्टिवल में हुआ, जिसे काफी प्रशंसा मिली।

इससे पहले अभिनेत्री ने शेयर किया था कि वह ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित होती हैं, जिसमें प्यार, खुद की खोज शामिल होती है। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि 'द आई' ने उन्हें स्क्रीन पर इन सभी भावनाओं का सामना करने का मौका दिया। यह फिल्म ग्रीस के बैकग्राउंड पर आधारित है। प्रोजेक्ट पर विचार करते हुए श्रुति हासन ने बताया था, मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे पता चला कि यह फिल्म तो मेरे लिए ही बनी है। मैं हमेशा ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित होती रही हूं, जिसमें

प्यार, आत्म-खोज का पुट हो और जो मेरे साथ गहराई से जुड़ती हैं। उन्होंने कहा, 'द आई' में प्रतिभाशाली महिला क्रिएटिव टीम के साथ काम करके मुझे शानदार अनुभव मिला। श्रुति हासन सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट शेयर करती रहती हैं। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने बताया कि वह सुबह जल्दी उठने वाली व्यक्ति नहीं हैं।

तस्वीर में श्रुति कार की पिछली सीट पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके बाल गीले हैं और बहुत कम मेकअप में नेचुरल लुक में लग रही हैं।

शिल्पा शिरोडकर ने 'जटाधारा' पर काम शुरू करते हुए 'आशीर्वाद' मांगा

मुंबई/एजेन्सी

रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' से फिर चर्चा में आईं अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर ने सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा की अपकमिंग फिल्म 'जटाधारा' पर काम शुरू करने से पहले आशीर्वाद लिया। शिल्पा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह फिल्म की टीम के साथ प्रार्थना करती हुई नजर आ रही हैं। वीडियो की कुछ झलकियों में शिल्पा बातचीत करती और होटल की लॉबी में उनका गर्मजोशी से स्वागत होते हुए भी दिख रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, और यह शुरू हो गया... आशीर्वाद और सकारात्मकता के साथ कुछ नया शुरू करने का इससे बेहतर तरीका नहीं हो सकता। इंटरनेट पर फिल्म से शिल्पा की एक बिहाइंड द सीन (बीटीएस) तस्वीर सामने आई। फोटो में शिल्पा खुश नजर आ रही हैं और फिल्म के अपने लुक को फ्लॉन्ट करते हुए दिख रही हैं। 'जटाधारा' एक सुपरनैचुरल थ्रिलर है, जो रहस्य की दुनिया में जाकर दर्शकों को रोमांचक अनुभव देने का वादा करती है। अपनी खास कहानी और शिल्पा शिरोडकर समेत प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ इस फिल्म से इंडस्ट्री में हलचल मचने की उम्मीद है। 'जटाधारा' का निर्माण ज़ी स्टूडियोज के उमेश केआर बंसल, प्रेरणा अरोड़ा, अरुणा अग्रवाल और शिविन नारंग ने किया है। इसे अक्षय केजरीवाल, कुसुम अरोड़ा के साथ-साथ क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सागर अंब्रे ने सह-निर्मित किया है। इस बीच, सोनाक्षी सिन्हा ने बाकी स्टार कलाकारों के साथ शूटिंग शुरू कर दी है और वे माउंट आबू में शूटिंग कर रहे हैं। इससे पहले, शिल्पा 'बिग बॉस 18' में विवियन डीसेना, निया शर्मा, शोएब इब्राहिम, पद्मिनी कोल्हापुरे, समीरा रेड्डी, सुरभि ज्योति, करण वीर मेहरा, कृष्णा श्रॉफ, गशमीर महाजनी, नायरा बनर्जी, मुस्कान बामने और एलिस कौशिक के साथ नजर आई थीं।

भूल भुलैया 3 : अब टूटेगा डर का ताला, वर्ल्ड टीवी प्रीमियर सोनी मैक्स पर

मुंबई/एजेन्सी

डर, रहस्य और कॉमेडी का अनोखा संगम लेकर आ रहा है भूल भुलैया 3 ! रोमांचक घटनाओं, भयावह अनुभवों और हंसी से भरपूर पलों के साथ सोनी मैक्स का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर दर्शकों को एक अद्भुत सफर पर ले जाएगी। इस फ़िल्म की कहानी सस्पेंस, कॉमेडी और अलौकिक घटनाओं को शानदार ढंग से जोड़ती है, जहां किरदारों को एक बार फिर से भयावह आत्माओं का सामना करना पड़ता है। कहानी के केंद्र में मंजुलिका की रहस्यमयी वापसी का रहस्य है, जिसे सुलझाने की कोशिश में किरदारों को कई रोमांचक मोड़ों से गुजरना पड़ता है। 'भूल भुलैया 3' डर और हंसी का बेहतरीन मिश्रण पेश करती है, जिससे यह पूरे परिवार के लिए एक परफेक्ट एंटरटेनमेंट बन जाती है। फ़िल्म में दमदार स्टारकास्ट देखने

को मिलेगी, जिसमें कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी शामिल हैं।

कार्तिक आर्यन ने कहा, क्लाइमैक्स में 'आमी जे तोमार' गाने का एक वर्जन सोनू निगम जी ने गाया है। मैंने इस गाने पर तांडव किया, जो मेरी सबसे खास यादों में से एक है। इस गाने की अधिकतर कोरियोग्राफी सेट पर ही बनी थी। मुझे याद है कि माधुरी जी खुद रिहर्सल हॉल में आईं और मुझे कुछ स्टेप्स सिखाए। उन्होंने मेरे कुछ डांस स्टेप्स ठीक किए और मुझे कुछ आसान टिप्स भी दिए, जो मेरे बहुत काम आए। यह पल मैं हमेशा याद रखूंगा। वर्ल्ड टीवी प्रीमियर से पहले, कार्तिक आर्यन और विद्या बालन ने फ़िल्म से जुड़े अपने यादगार अनुभव साझा किए। कार्तिक आर्यन ने फ़िल्म के क्लाइमैक्स में अपने आइकॉनिक तांडव परफॉर्मेंस को याद किया, जहां उन्होंने सोनू निगम के गीत 'आमी जे तोमार' गाने पर नृत्य किया था। उन्होंने बताया कि इस गाने की कोरियोग्राफी शूटिंग के दौरान ही बनी और माधुरी दीक्षित ने उनकी रिहर्सल में मदद की।

वहीं, विद्या बालन के लिए सबसे यादगार पल था जब उन्होंने माधुरी दीक्षित के साथ उनके मशहूर गाने 'दीवाना बना दे' पर डांस किया। उन्होंने इसे जादुई अनुभव बताया और कहा कि वे आज भी इस पर यकीन नहीं कर पा रही हैं कि उन्होंने अपनी आइडल के साथ परफॉर्म किया। विद्या बालन ने कहा, मेरे लिए 'दीवाना बना दे' का सबसे खास पल यह था कि मैं माधुरी दीक्षित के साथ इस गाने पर डांस कर रही थी। यह गाना अब सिर्फ़ मेरा नहीं, बल्कि हमारा गाना बन चुका है। मुझे आज भी इस पर यकीन नहीं होता यह किसी जादू से कम नहीं था। माधुरी दीक्षित खुद ही जादू हैं और उनके साथ परफॉर्म करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात थी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

देश और समाज का दुर्भाग्य है कि प्रतिवर्ष अपनी लाखों प्रतिभाएं मातृभूमि को छोड़कर सफलता की तलाश में विदेश जा रही हैं। इस पलायन को रोकना सरकारों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अगर यूं ही प्रतिभाओं का पलायन होता रहा तो हम पिछड़ जाएंगे। अपने देश में ऐसी व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने की आवश्यकता है कि प्रतिभाओं का लाभ भारत को ही मिले। इसके लिए एक सामूहिक राजनीतिक जागरण की जरूरत है। देश का युवावर्ग निष्ठापूर्वक यह क्रांति कर सकता है।

मैथिल परिवार ने मनाया होली मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अरुणवाक्कम स्थित डीजी वैष्णव कॉलेज के सभागार में मैथिल परिवार के तत्वावधान में होली मिलन का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में तमिलनाडु के डीजीपी फायर एंड रेस्क्यू विभाग आभाष कुमार आईपीएस द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। मिथिला से आए मैथिली गायिका सुश्री स्वाति झा ने भगवती वंदना 'जय जय भैरवी असुर भयावनी पशुपति भामिनी निमाया....' से की। उसके बाद गायक विकास झा एवं जूली झा ने एक से बढ़कर एक होली के गीत एवं मैथिली गीतों की प्रस्तुति दी। भोजपुरी श्रोताओं के लिए उन्होंने कई ऐसे भी गाने गए ताकि भोजपुरी सुनने वाले भी इस आयोजन का लुत्फ उठा सके।

मिथिला के सिया धीया... कोना टुटलौ मोती के हार कोना कय मिटलौ तोहर श्रंगार.... एवं छोड़ छोड़ सैंया भोर गेलै ... आदि गीतों पर श्रोताओं ने जमकर तालियां बजाते नजर आए। उल्लेखनीय है की मैथिल परिवार चेन्नई आगंतुकों श्रोताओं को पाग-दोपटा, रंग और गुलाल से स्वागत किए।

जहां समिति के पुरुष सदस्यों ने पुरुष श्रोताओं को शॉल ओढाकर स्वागत किया वहीं महिलाओं को मैथिल परिवार के महिला सदस्यों ने शाल ओढाकर स्वागत किया। मैथिल परिवार चेन्नई ने इसबार अपने समिति से जुड़े सदस्यों के छात्र-छात्राओं को जो पढ़ाई लिखाई में उत्कृष्ट स्थान पर हैं। मुख्यअतिथि द्वारा प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

केसरिया आदिनाथ नूतन मंदिर के द्वार उद्घाटन के साथ हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ नौ दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

- संघ ने विभिन्न सहयोगी सभा संस्थाओं के प्रति जताया आभार
- केसरिया आदिनाथ युवा मंडल व मूर्तिपूजक युवक महासंघ के कार्य की हुई सराहना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय आदिनाथ जैन श्वेताबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, शंकरपुरम द्वारा शंकरपुरम में निर्मित केसरिया आदिनाथजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा एवं प्राचीन श्री आदिनाथ प्रतिमा के नौ दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव के आख़िरी दिन आचार्यश्री रत्नाकरसूरीश्वरजी, श्रुतोपासकश्री रत्नसंचयसूरीश्वरजी व अरिहंतसागरसूरीश्वरजी आदि की निश्रा में नूतन जिनालय का द्वार उद्घाटन अत्यंत भव्यता और भक्ति भाव संपन्न हुआ। इस भव्य आयोजन की शुरुआत मंदिर द्वार उद्घाटन के लाभार्थी परिवार के निवास स्थान से शोभायात्रा के साथ प्रभु के दरबार पधारने से हुई। प्रातः 5:30 बजे शुभ मुहूर्त में नूतन जिनालय के द्वार का उद्घाटन किया गया। इसके उपरांत सत्तरभेदी पूजा, धूप, दीप, अक्षत, फल, नैवेद्य आदि से प्रभु का मनोहारी पूजन किया गया। प्रतिष्ठा के बाद प्रथम दिन नूतन जिनालय की विशेष सजावट, आकर्षक रंगोली, रंग-बिरंगी कोरनी, फूलों और दीपमालाओं से सजावट की गई। प्रतिष्ठा के पश्चात प्रभु के प्रथम दर्शन हेतु भक्तों से आसपास का क्षेत्र भरा हुआ था। प्रभु केसरिया आदिनाथ दादा की अनुपम छवि के दर्शन के लिए श्रद्धालुजन उमड़े और प्रभु के जयकारों से गगन गुंजायमान हो उठा। गुरुदेव द्वारा मंगल मंत्र, भक्तामर स्तोत्र, नवस्मरण आदि का वाचन से चतुर्विध संघ ने दिव्यता का अनुभव किया।भरत चक्रवर्ती भोजन मंडप में हजारों श्रद्धालुओं ने तीनों समय की नवकारशी का लाभ लिया। प्रतिष्ठा के पूरे आयोजन की व्यवस्था में केसरिया आदिनाथ युवा मंडल के सदस्यों की विशेष भूमिका रही।

प्रतिष्ठा महोत्सव संयोजक पारस भंडारी ने युवा मंडल के प्रत्येक सदस्य को धन्यवाद देते हुए उनके कार्य की सराहना की। भंडारी ने मंडल के प्रत्येक सदस्य का स्वागत करते हुए कहा कि केसरिया आदिनाथ युवा मंडल के सदस्यों ने कल्पेश भाई के मार्गदर्शन में प्रतिष्ठा महोत्सव की जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन किया। युवा मंडल ने मंदिर व्यवस्था समिति, वैयावच्च समिति, अतिथि आगमन समिति, मंगल घर समिति जैसी कई समितियाँ बनाकर, हर समिति में आठ-आठ सदस्यों की नियमित ड्यूटी लगाकर उत्कृष्ट सेवा प्रदान की। उन्होंने विभिन्न समितियों के कार्यों का उल्लेख कर सभी को धन्यवाद दिया। भंडारी ने बताया कि भोजन समिति के संयोजक महेंद्र छाजेड़ के नेतृत्व में नौ दिनों तक सुव्यवस्थित ढंग से रोजाना करीब 25 हजार लोगों को भोजन करवाया गया जिसकी सभी ने बहुत तारीफ की। भोजन व्यवस्था में महेंद्र छाजेड़, संदीप खांटेड, अनूप श्रीश्रीमाल, कल्पेश खांटेड की सशक्त टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर अखिल भारतीय जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक युवक महासंघ बेंगलूरु के सदस्यों ने प्रथम दिवस के वरघोड़े एवं वर्षीतप वरघोड़े दोनों ही आयोजनों में संपूर्ण व्यवस्था का संयोजन कर अपने संगठन की एकजुटता का अद्भुत उदाहरण पेश किया। रोजाना विभिन्न व्यवस्थाओं में विभिन्न मंडलों व संघों को जोड़ते हुए महासंघ के अध्यक्ष मनोज बाफना व उनकी टीम ने आयोजन व्यवस्थाओं को अनुशासित रूप दिया। महासंघ के युवाओं की सशक्त टीम ने अपनी सेवाएं दी जो सभी बधाई के पात्र है। कार्यक्रम में अंत में सभी सहयोगी सभा संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

चेंजमेकर्स का राजस्थानी-तमिल सेवा पुरस्कार-2025 से सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु और पुडुचेरी में राजस्थानी समुदाय की ओर से राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) ने पहली बार राजस्थानी-तमिल सेवा पुरस्कार 2025 का आयोजन किया। जिसमें उन व्यक्तियों और संस्थानों को सम्मानित किया गया जिन्होंने 2 राज्यों के लोगों की भलाई में असाधारण योगदान दिया है। रविवार को यहां डीजी वैष्णव कॉलेज में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति, सामाजिक नेता और परिवर्तनकर्ता उपस्थित थे। मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति केआर श्रीराम ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई और पुरस्कार प्रदान किए। तमिल साप्ताहिक तुगलक के संपादक और पुरस्कार के लिए निर्णायक मंडल के प्रमुख सीए एस. गुरुमूर्ति ने समुदाय की पहली सेवा निर्देशिका, 'तमिलनाडु में राजस्थानी: 100 वर्ष की विरासत' का अनावरण किया।

तमिलनाडु सरकार के पूर्व मुख्य सचिव डॉ. इराई अनबू को लोक सेवा की श्रेणी में सम्मानित किया गया। वे एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनके ज्ञान, नेतृत्व और सेवा ने भारत में शासन, शिक्षा और साहित्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है। अखिल भारतीय सिविल सेवा परीक्षा (1988) में 15वें स्थान पर रहने के बाद, वे तमिलनाडु के मुख्य सचिव बने और प्रशासन, पर्यावरण और पर्यटन में ऐतिहासिक सुधार किए।

कैम्ब्रिज/इंडस वैली सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संस्थापक, एक दूरदर्शी व्यक्ति सी.डी. सनथ कुमार को शिक्षा के क्षेत्र में चुना गया। जिनके काम ने लोगों के जीवन को छुआ है, समुदायों का निर्माण किया है, और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और ग्रामीण विकास के माध्यम से भविष्य को आकार दिया है।

'ट्री मैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध एम योगनाथन को पर्यावरण स्थिरता के क्षेत्र में सम्मानित किया गया। एक ऐसे व्यक्ति जिनके पर्यावरण संरक्षण के प्रति अथक समर्पण ने तमिलनाडु को बदल दिया है। 36 वर्षों में, उन्होंने 35 लाख पौधे लगाए और उनका पालन-पोषण किया, बंजर भूमि को हरा-भरा बनाया और हज़ारों लोगों को इस काम को करने के लिए प्रेरित किया।

स्वामी विवेकानंद ग्रामीण विकास सोसाइटी (एसवीआरडीएस) को 1979 से ग्रामीण जीवन में बदलाव लाने के लिए सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में सम्मानित किया गया। 45 वर्षों से, स्वामी विवेकानंद ग्रामीण विकास सोसाइटी (एसवीआरडीएस) तमिलनाडु के 12 जिलों के 1,000 गांवों तक पहुंचकर समग्र ग्रामीण विकास का एक स्तंभ रही है। एस वेदांतम जी के नेतृत्व में, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, जल संरक्षण और कौशल विकास में इसकी पहल ने लाखों ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाया है। एसोसिएशन ने आत्मनिर्भर, सशक्त ग्रामीण भारत के निर्माण के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. आर. कृष्णन को सम्मानित किया।

मुख्य न्यायाधीश केआर श्रीराम ने इस मौके पर कहा कि मुझे राजस्थानी एसोसिएशन के तमिल सेवा पुरस्कारों को देखकर बहुत खुशी हुई है, जिसमें व्यक्तियों और संस्थाओं को उनके निस्वार्थ योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। उनके काम में करुणा, सहानुभूति और सेवा की भावना समाहित है, जो एक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है। मुझे विशेष रूप से बच्चों और युवाओं के लिए शिक्षा पर जोर देखकर खुशी हुई, क्योंकि शिक्षा के माध्यम से ही हम भावी पीढ़ियों को सक्रिय नागरिक और सकारात्मक बदलाव के वाहक बनने के लिए सशक्त बना सकते हैं। ये पुरस्कार विजेता आशा की किरण हैं, जो हम सभी को एक अधिक करुणामय, समतापूर्ण और न्यायपूर्ण समाज बनाने की दिशा में प्रयास करने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रत्येक पुरस्कार विजेता का पारंपरिक राजस्थानी साफा पहनाकर स्वागत किया गया और उन्हें एक ट्रॉफी, एक प्रशस्ति पत्र और 2 लाख रुपये का पुरस्कार प्रदान किया गया, जिससे सार्थक परिवर्तन लाने वालों को मान्यता देने के प्रति राजस्थानी समुदाय की प्रतिबद्धता को बल मिला।

तमिलनाडु के 25 शहरों और कस्बों से प्राप्त 231 नामांकनों में से, एक सावधानीपूर्वक तीन-चरणीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से चार उत्कृष्ट व्यक्तियों की पहचान की गई, जिनकी सेवा ने स्थायी प्रभाव छोड़ा है। सीए एस. गुरुमूर्ति की अध्यक्षता में छह सदस्यीय निर्णायक मंडल में 'द हिन्दू' के पूर्व प्रधान सम्पादक एन रवि, प्रसिद्ध भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मविभूषण पद्मा सुब्रमण्यम्, उद्योगपति एन सुगालचन्द जैन, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं पूर्व कुलपति प्रो. पी. बालगुरुसामी, तमिलनाडु अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य और रजत के अध्यक्ष प्रवीण टांटिया रहे।

इस मौके पर 'तमिलनाडु में राजस्थानी: 100 साल की विरासत' पुस्तक का विमोचन किया गया। महासचिव हेमंत दुगर ने समारोह को सार्थक और सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रत्येक व्यक्ति का धन्यवाद किया।

'सिर्फ देखादेखी नहीं अपितु स्वयं की प्रज्ञा से कार्य करें'

जयमल जैन श्रावक संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । जयगच्छाधिपति आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी, डॉ. पदमचंद्रजी के सान्निध्य में रविवार को गोडवाड़ भवन में अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ, शाखा बेंगलूरु का अधिवेशन हुआ। साध्वीगण शशिप्रभाजी ने भक्ति गीत गाया। संतश्री जयपुरन्दरमुनिजी ने कहा कि आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी एवं डॉ. पदमचंद्रजी की प्रेरणा से जीवदया, मानवसेवा, शिक्षा, स्वाध्याय आदि क्षेत्रों में कई कार्य हुए हैं। कई राजकीय विद्यालयों में प्याऊ, कमरे, प्रोजेक्टर आदि का निर्माण किया गया है। संतश्री जयधुरन्धरमुनिजी ने आचार्यश्री जयमलजी के विराट व्यक्तित्व के बारे में बताते हुए जयसंघ को उनके उपकारों से अवगत कराया। डॉ. पदमचंद्रमुनिजी ने अपने उद्बोधन में जयसंघ को मजबूत और सक्षम बनने की प्रेरणा देते हुए आह्वान किया कि जयसंघ की भावी पीढ़ी को मानवसेवा, स्वाध्याय, शिक्षा के अतिरिक्त साधर्मिक सेवा के प्रति भी जागरूक बनना चाहिए जिससे जय संघ उत्तरोत्तर विकास करे। सिर्फ देखादेखी नहीं अपितु स्वयं की प्रज्ञा से कार्य करें और जिसमें भी कोई अच्छाई दिखे, उसे स्वयं ग्रहण करें ।

प्रवचन के पश्चात जेके महावीरचंद चोरड़िया ने जय पार्श्व पद्मोदय अहिंसा रिसर्च फाउंडेशन संस्था के बारे में जानकारी दी, जिससे प्रेरित होकर कई व्यक्तियों ने जेपीपी के कार्ड होल्डर बनने की घोषणा की। संघ के मंत्री सुरेन्द्रकुमार बेताला ने आगामी 18 अप्रैल से आयोजित होने वाले 79वें राष्ट्रीय स्तर जयमल जैन संस्कार शिविर के बारे में जानकारी दी जिसमें कई दानदाताओं ने सहयोग राशि की घोषणा की। संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रेवंतमल नाहर ने जैनाचार्य गुरु जयमल प्राच्य विद्या अनुसंधान केन्द्र नागौर की रूपरेखा बताई जिसमें आचार्यश्री जयमलजी के जीवन चरित्र पर निर्मित होने जा रहे एक म्यूजियम के बारे में भी बताया। इसके पश्चात जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन, एलएनपुरम व हलसूरु तथा जयमल जैन महिला मंडल ने गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत किए। आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी के मुखारविंद से मंगलपाठ के साथ अधिवेशन का समापन हुआ ।

शांति, पवित्रता और आध्यात्मिक उन्नति के लिए होती है प्रभु भक्ति व धर्माराधना : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन संघ के तत्वावधान में सोमवार को प्रवचन में आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि धर्म में धन की नहीं, भावनाओं की प्रधानता होती है। भगवान या आराध्य से कुछ मांगने की इच्छा जगे तो जीवन की शांति, सद्गुणों का वरदान, सुसंस्कारी परिवार और आध्यात्मिक उन्नति मांगनी चाहिए, तभी वो साधना-आराधना सार्थक बनती है। इस प्रकार ही अपने आराध्य की उपासना का कोई औचित्य सिद्ध होता है। धन, सामग्री, वर्ण अथवा व्यक्ति से धर्म को तोला नहीं जा सकता, अंतःक्रिया की शुद्धि और चित्तवृत्तियों के निरोध में धर्म जीवंत बनता है। इसीलिए बड़े-बड़े बादशाहों के समक्ष भी धर्म के धारक त्यागी-वैरागी साधु-संत पूजनीय होते हैं। मनुष्य धर्म के नाम पर जितना अधिक बहिर्गमन करता है अथवा धर्म को दिखावे में लाने की चेष्टा करता है, उतना ही वह भीतर से धर्म से रिक्त होता चला जाता है।

आचार्यश्री विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि ज्यादातर लोग संसार की भौतिक याचनाओं और तुच्छ कामनाओं के लिए अपने आराध्य के चरणों में जाते हैं, जबकि हकीकत में निर्मल भाव समर्पित भक्त बनकर से भगवान या आराध्य की उपासना करनी चाहिए। भोग-विलास और संपत्ति की तुच्छ याचनाओं तथा कामनाओं के लिए भगवान के पास जाना नादानी है। भगवान की भक्ति व धर्म की आराधना तो मानसिक शांति, जीवन की पवित्रता और आध्यात्मिक उन्नति के लिए होती है।

गणि पद्मविमलसागरजी ने सायंकालीन ज्ञानसत्र में जिज्ञासुओं को तात्विक मार्गदर्शन दिया। चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन संघ के संघ के अध्यक्ष नरेश बंबोरी व अन्य सदस्यों ने वर्ष 2026 के वर्षावास हेतु आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने निवेदन किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.